राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 15 जून 2023 वर्ष–6,अंक–141 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

जम्मू में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे गृह मंत्री अमित शाह

जम्मू । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आगामी 23 जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि के मौके पर यहां एक जनसभा को संबोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंदर रैना ने यह जानकारी दी। भाजपा 23 जून को बलिदान दिवस के रूप में मनाती है। रविंदर रैना ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में बड़ी जनसभाओं का आयोजन किया जा रहा है। जम्मू संसदीय क्षेत्र में 23 जून को जम्मू शहर में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा, जिसे अमित शाह संबोधित करेंगे। रविंदर रैना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए आयोजित एक महा जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को रैलियों में शामिल होने के लिए जनता को लामबंद करने के लिए अधिक समय देना होगा, जिसमें अमित शाह की एक रैली भी शामिल है। जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने कहा कि महा जनसंपर्क अभियान को जनता से भारी समर्थन मिला है और जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है।

जम्मू-कश्मीर में फिर से भूकंप के झटके महसूस हुए

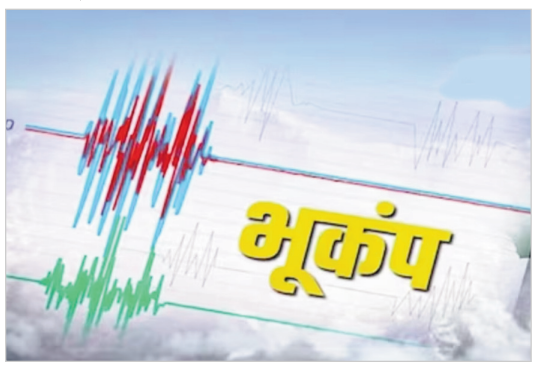

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर में मंगलवार-बुधवार की रात को फिर से भूकंप के झटके महसूस हुए। ये भूकंप रात 2.20 बजे आया और इन झटकों की तीव्रता 4.3 थी। राज्य में 12 घंटे में दूसरी बार धरती भूकंप के झटकों से हिली है। इसके पहले मंगलवार दोपहर 1.30 बजे भूकंप के झटके महसूस हुए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि मंगलवार को दोपहर 1 बजकर 33 मिनट पर 5.4 तीव्रता का भूकंप आया जिसका केंद्र छह किलोमीटर की गहराई में था। अधिकारियों ने बताया कि डोडा जिले में दो बच्चों सहित पांच लोगों को मामूली चोटें आईं है। जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने बताया कि भूकंप से कई इमारतों में दरारें आ गई हैं। उन्होंने बताया कि डोडा, भद्रवाह और गंडोह में भूकंप के झटके के कारण सैकड़ों इमारतों में दरारें आ गईं। एक अधिकारी ने बताया कि भद्रवाह के एक अनुमंडल अस्पताल के एक वार्ड की फॉल्स सीलिंग गिर गई, जिससे एक मरीज और एक महिला कर्मचारी घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि कुछ मलबा अस्पताल के वार्ड में भर्ती मरीजों पर गिर गया। उन्होंने बताया कि मरीजों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है और उनका अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि भद्रवाह में एक सरकारी कर्मचारी के ऊपर उसके कार्यालय की इमारत का प्लास्टर गिर जाने से भी चोटें आईं। भद्रवाह निवासी अजीम मलिक ने बताया कि भूकंप के झटकों से उसका मकान क्षतिग्रस्त हो गया। डोडा के उपायुक्त विशेष पॉल महाजन ने बताया कि एक स्कूल में दो बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। घबराए स्कूली छात्र भद्रवाह घाटी के खेतों में एकत्र हो गए और शिक्षकों को रो रहे छात्रों को तसल्ली देते और समझाते देखा गया।

बिपरजॉय से निपटने सेना ने संभाला मोर्चा, तेज हवाओं के साथ भारी बारिश शुरु

-150 किमी की रफ्तार से चल रही हवाएं, कहीं पेड़ धराशायी तो कहीं टीन के छप्पर उड़े

नई दिल्ली ।

चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय धीरे-धीरे अपना रौद्र रुप दिखा रहा है। हालों` कि यह अभी समंदर में ही हिलौरें ले रहा है, लेकिन बेहद गंभीर चक्रवात के रूप में 15 जून की शाम को जखाऊ बंदरगाह के पास सौराष्ट्र तथा कच्छ के तटों को पार करने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक हवाएं चलने के आसार हैं। उससे पहले ही समंदर अशांत हो गया है। गुजरात के 8 जिले पूरी तरह अलर्ट हैं। राज्य में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। केंद्र सरकार लगातार नजर बनाए हुए है। केंद्रीय मंत्रियों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंप दी गई है और वो मौके पर मौजूद हैं। वहीं इस चक्रवात से जो इलाके प्रभावित होंगे वहां अभी से बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। भारी बारिश से कहीं पेड़ धराशाई हो गए हैं तो कहीं टीन की छतें उखड़ती हुई देखी गईं। मुंबई में भी तेज हवाओं के साथ समंदर में ऊंची ऊंची लहरें उठने लगी हैं। मौसम विभाग के अनुसार, गुजरात और महाराष्ट्र समेत 9 राज्यों पर तूफान का खतरा मंडरा रहा है। ये 9 राज्य लक्षद्वीप, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और पश्चिमी राजस्थान हैं।

भारतीय सेना ने आपदा से निपटने कसी कमर

इधर सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। जानकारी के अनुसार भारतीय सेना शक्तिशाली चक्रवात 'बिपरजॉय के गुजरात से टकराने के बाद स्थानीय लोगों को परेशानियों से निकालने और उन्हें सहायता प्रदान करने की सभी आवश्यक तैयारियां कर ली है। सैन्य अधिकारी ने बताया कि प्राकृतिक आपदा के समय जनता द्वारा महसूस की जाने वाली कठिनाइयों को कम करने के अपने दृढ़ संकल्प के अनुरूप, भुज, जामनगर, गांधीधाम, धरंगधरा, वडोदरा और गांधीनगर के साथ-साथ नलिया, द्वारका और अमरेली में बाढ़ राहत स्तंभों का पूर्वाभ्यास कराया गया। इसके अलावा, सैन्य अधिकारियों ने भी नागरिक प्रशासन के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के साथ संयुक्त रूप से राहत कार्यों की योजना बनाई है।

केन्द्रीय गृह विभाग ने की व्यवस्थाओं की समीक्षा

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने चक्रवाती तूफान'बिपरजॉय से निपटने और प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की। मौसम विभाग के महानिदेशक ने बैठक में पूर्वी मध्य अरब सागर के ऊपर सक्रिय गंभीर चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय की मौजूदा स्थिति की जानकारी देते हुए कहा कि चक्रवात के 14 जून की सुबह तक लगभग उत्तर की तरफ आगे बढ़ने की संभावना है। बाद में चक्रवात के उत्तर- उत्तर पूर्व की दिशा में आगे बढ़ने, सौराष्ट्र और कच्छ को पार करते हुए 15 जून की दोपहर तक जखौ बंदरगाह गुजरात के निकट मांडवी (गुजरात) और कराची के बीच पाकिस्तान के तटों को पार करने की संभावना है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, पुरुषोत्तम रूपाला, गुजरात सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, सचिव और जिलाधिकारी वर्चुअल तरीके से बैठक में शामिल हुए।

इन 9 राज्यों में सर्वाधिक असर, मचेगी उथल-पुथल

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय का असर मुंबई से लेकर केरल के तट तक समंदर में दिखाई दे रहा है, जहां तूफानी लहरें उठ रही हैं।` इसके बावजूद` जिन नौ राज्यों में सर्वो` धिक असर होने वाला है, उनमें लक्षद्वीप, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और पश्चिमी राजस्थान हैं।

शिवसेना के विज्ञापन से बालासाहेब गायब, मचा घमासान

मुंबई ।

महाराष्ट्र में शिवसेना द्वारा दिए गए विज्ञापन को लेकर घमासान मच गया है। जानकारी के अनुसार शिवसेना (यूबीटी) पार्टी के मुखपत्र सामना ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा अखबारों के पहले पन्ने पर छपे एक विज्ञापन की भर्त्सना की है। इन विज्ञापनों की हेडलाइन थी भारत के लिए मोदी और महाराष्ट्र के लिए शिंदे। संपादकीय में कहा गया है कि अब तक शिंदे-फडणवीस सरकार ने जनता का 786 करोड़ रुपये विज्ञापनों पर खर्च किया है। अच्छी बात यह है कि अब एक स्पष्टता है क्योंकि बालासाहेब के वफादार होने का दावा करने वाले लोगों का असली चेहरा सामने आ गया है, क्योंकि विज्ञापन में बालासाहेब की तस्वीर नहीं थी। संपादकीय में कहा गया कि सवाल यह है कि जो बालासाहेब के प्रति वफादार नहीं रह सके, क्या वे मोदी के प्रति वफादार रहेंगे? विज्ञापन पर टिप्पणी करते हुए संपादकीय में कहा गया है कि राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तस्वीर कहीं नहीं दिखी और शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर भी विज्ञापन में गायब थी। ऐसा कहा जा रहा है कि विज्ञापन सरकारी विज्ञापन नहीं था। इसलिए इसमें फडणवीस की फोटो नहीं है। वैसे यह सत्य नहीं है। ये लोग कहते रहते हैं कि हम बालासाहेब के विचारों को आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन विज्ञापन से उनकी तस्वीर भी गायब थी। संपादकीय में कहा गया है कि विज्ञापन से यह आभास होता है कि बालासाहेब कुछ नहीं हैं और मोदी ही सब कुछ हैं। यह विज्ञापन दिखाता है कि शिंदे गुट भाजपा के 105 विधायकों के प्रभुत्व को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। संपादकीय में उस सर्वेक्षण पर भी सवाल उठाया गया है जिसमें कहा गया है कि 26.1 फीसद लोग एकनाथ शिंदे को फिर से मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं।

दलित नेता डॉ. परमेश्वर का बयान, कर्नाटक कांग्रेस की सरकार में सबकुछ ठीक नहीं

दलित सीएम बनने की फिर उठाई मांग

बेंगलुरु।

कर्नाटक के गृह मंत्री और प्रमुख दलित नेता डॉ. जी परमेश्वर के दलित सीएम को लेकर दिए बयान को लेकर हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस नेता और मंत्री परमेश्वर ने राज्य में दलित सीएम नहीं बनाने की बात कहकर सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। परमेश्वर ने ये भी दावा कर दिया है कि कर्नाटक कांग्रेस की सरकार में सबकुछ ठीक नहीं है। विभिन्न दलित समुदायों द्वारा आयोजित अनुसूचित जाति सभा में जी परमेश्वर ने कहा कि जब मैं कर्नाटक कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष था, उस दौरान 2013 में पार्टी को सत्ता में लाने के बावजूद मैं मुख्यमंत्री नहीं बन सका। हालांकि, मेरे नेतृत्व में पार्टी ने सफलता पाई थी। इसके बावजूद किसी ने भी मुझे क्रेडिट नहीं दिया। मैंने क्रेडिट लेने की कोशिश भी नहीं की। 2018 में दलितों की उपेक्षा करने के चलते पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। दलितों की उपेक्षा करने वाले तथाकथित बड़े नेताओं को चुनाव में सबक सिखाना था।

सिद्दारमैया सरकार में मंत्री परमेश्वर ने ये भी दावा कर दिया कि जान-बूझकर दलित नेताओं को सीएम नहीं बनाया जा रहा है। मैं या सामाजिक कल्याण मंत्री डॉ. एचसी महादेवाप्पा, खाद्य आपूर्ति मंत्री केएच मुनियप्पा को सीएम क्यों नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने दलित नेताओं से हीनभावना छोड़कर एकजुट होने की अपील भी कर डाली।

बात दें कि परमेश्वर कर्नाटक के बड़े दलित नेता हैं और उन्होंने कभी भी कांग्रेस के प्रति अपनी वफादारी नहीं छोड़ी है। लिहाजा, उनका बयान कई मायनों में बेहद खास माना जा रहा है।

अमेरिकी एनएसए सुलिवन ने की पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति के बारे में उन्हें जानकारी दी। पीएमओ की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। उसके मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ती और गहरी होती भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी पर संतोष व्यक्त किया।बयान के अनुसार अमेरिकी एनएसए सुलिवन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन राजकीय यात्रा पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह एक सार्थक यात्रा और आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर राष्ट्रपति बाइडन के साथ बातचीत की उम्मीद करते हैं।

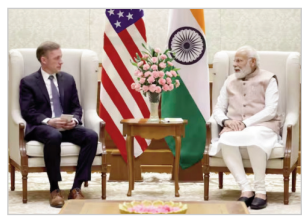

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी 21 से 24 तक अमेरिका की यात्रा पर रहने वाले हैं। पीएम मोदी को राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन ने आधिकारिक राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया है। उनकी इस यात्रा में 22 जून को राजकीय रात्रिभोज भी शामिल होगा। पीएम मोदी 23 जून को अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करने वाले हैं। यह दूसरा अवसर होगा जब मोदी अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करने वाले हैं। वह इजराइल को छोड़कर तीसरे विश्व नेता हैं, जिन्होंने दो बार अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित किया हो। अन्य दो नेताओं में विंस्टन चर्चिल और नेल्सन मंडेला शामिल हैं।

राहुल गांधी और सीएम सिद्धारमैया की बढ़ी मुश्किलें

मानहानि मामले में कोर्ट ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली ।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित कांग्रेस के कई बड़े नेताओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल, भाजपा ने राहुल गांधी, सीएम सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खिलाफ अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में मानहानि का मामला दर्ज कराया है। पूर्व एवं मौजूदा सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली इस अदालत ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 499 (मानहानि) व 500 (मानहानि के लिए सजा) के तहत अपराध का संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई के लिए 27 जुलाई की तारीख निर्धारित की है। विशेष अदालत ने इस संबंध में सभी प्रतिवादियों को समन जारी करने का निर्देश दिया। भाजपा के राज्य सचिव एस केशव प्रसाद ने विज्ञापनों में झूठे दावे कर पार्टी की छवि बिगाड़ने का आरोप लगाने वाली यह निजी शिकायत नौ मई को दायर की थी। शिकायत के मुताबिक, केपीसीसी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले पांच मई को प्रमुख अखबारों में प्रकाशित विज्ञापन में दावा किया था कि राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार 'भ्रष्टाचार में लिप्त थी और उसने पिछले चार वर्षों में डेढ़ लाख करोड़ रुपए लूटे हैं'। शिकायत के अनुसार, विज्ञापन में केपीसीसी की ओर से किए गए दावे 'पूरी तरह से बेबुनियाद, पूर्वाग्रह से ग्रसित और मानहानिकारक थे।

मैं महिला पहलवानों की बजाय कांग्रेस पार्टी का शिकार हुआ : बृजभूषण सिंह

नई दिल्ली ।

बृजभूषण सिंह महिला पहलवानों की बजाय कांग्रेस पार्टी का शिकार बने हैं। यह बात उन्होंने स्वयं पत्रकारों को बताई। कुश्ती फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण पर लगाए गए आरोप के मामले में जब उनसे पूछा गया कि` क्या आपको लगता है की आप एक सोची समझी साजिश के शिकार हैं, तो इस मसले पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने बताया` कि वो कांग्रेस पार्टी की साजिश के शिकार हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में दर्ज एफआईआर के मामले में अगले दो-तीन दिनों के अंदर ही चार्जशीट दायर की जाएगी। नई दिल्ली अंतर्गत कनॉट प्लेस थाना में बृजभूषण शरण सिंह सहित कुछ अन्य आरोपियों के खिलाफ एक नाबालिग पहलवान लड़की सहित कुल 6 महिला पहलवानों द्वारा मामला दर्ज करवाया गया था, जिसके बाद इस हाईप्रोफाइल मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा बनाई गई एक एसआईटी की टीम मामले की तफ्तीश में जुटी है। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष रहें बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस की टीम तफ्तीश कर रही है। इस मामले में तफ्तीश के लिए सबूत जुटाने के लिए दिल्ली पुलिस की टीम हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, झारखंड सहित कई राज्यों का दौरा कर चुकी है और दर्जनों लोगों का बयान दर्ज कर चुकी है।

गांधी परिवार चलती-फिरती झूठ की फैक्ट्री, बिना तथ्य के आरोप लगाते हैं : विज

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी की अमेरिका में ट्रक यात्रा पर तंज कर कहा, जो कलाकार होते हैं, वह बार-बार कई तरह की वेशभूषा बदलकर आते है ताकि लोग उनकी तरफ देखे, उनकी तरफ आकर्षित हों। कांग्रेस पर तंज कसते हुए विज ने कहा कि इन्होंने कई ढोंग कर लिए लेकिन जनता इनकी तरफ देख तक नहीं रही है। राहुल गांधी ने हिंदुस्तान में जो किया उसकी ओर भी लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया। वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा शिवराज सरकार पर लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए मंत्री विज ने कहा कि गांधी परिवार कि यह बहुत बुरी आदत है कि बिना किसी तथ्यों के आरोप लगाते है और यह झूठ की चलती-फिरती फैक्ट्री है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में जितने भी घोटाले हुए है, भाजपा ने तथ्यों सहित उजागर किए जिनमें 2जी स्कैम एवं अन्य घोटाले शामिल है। उन्होंने गांधी परिवार पर आरोप लगाकर कहा कि यह रात को सोते है और सुबह उठते ही आरोप लगाने शुरू कर देते है, इन्होंने जितने आरोप लगाए है उसके यह तथ्य बताए।

कबूतरबाजी को लेकर गृह मंत्री विज ने कहा कि प्रदेश में इमीग्रेशन कंपनियों पर हमारी नजर है और जल्द ही एक कानून बनाकर विधानसभा में इस पास करवाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आईजी अम्बाला की अगुवाई में इन मामलों से निपटने के लिए एसआईटी गठित है और कबूतरबाजों का पूरी तरह से ही सफाया कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कबूतरबाज लोगों की खून-पसीने की कमाई को लेकर चंपत हो जाते है लोग इनके चंगुल में फंस जाते है।

खाप पंचायतों द्वारा महिला पहलवानों के समर्थन में हरियाणा बंद आह्वान पर विज ने कहा कि खेल मंत्री के साथ सकारात्मक बात चल रही है लेकिन कुछ लोगों के लिए आंदोलन मनोरंजन का साधन है जो ठीक नहीं है, उन्हें तब मौका चाहिए बंद करने का। मंत्री विज ने कहा कि हम देश चलाने की कोशिश कर रहे है और यह बंद करते है। वही, कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा दिए बयान कि यह लाठी-डंडों की सरकार है इसपर विज ने कहा कि भाजपा की सरकार बहुत ही संयम से काम करती है, किसानों से बातचीत कर समाधान किया गया, लेकिन इनकी सरकार में तो गोलियां चलाई जाती थी और इसकारण इन्हें बोलने का हक नहीं है।

मणिपुर में हिंसा में 9 लोग मारे गए, 10 घायल, अब तक 115 हिंसा के हुए शिकार

कूकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से छिड़ी हिंसा

इम्फाल । अभी भी मणिपुर में हिंसा की आग बुझी नहीं है, रह-रहकर भड़क रही रही है। करीब डेढ़ महीना पहले कूकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा शुरू हुई थी और अब भी हिंसा के हालात संभल नहीं रहे। इस बीच मंगलवार की रात को इम्फाल पूर्व जिले में फिर से हिंसा भड़क गई, इसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 10 घायल हो गए हैं। मणिपुर की हिंसा में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 115 हो गई है। बअब तक थमी नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार की रात को पूर्वी इम्फाल जिले के अगिजंग गांव में हिंसा भड़क गई। बड़ी संख्या में सशस्त्र उपद्रवियों ने एक कूकी गांव में रात को 10 से 10=30 बजे के बीच हमला कर दिया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो उपद्रवियों के साथ फायरिंग भी हुई। जांच में पता चला है कि इसमें 9 लोगों की मौत हो गई। कहा जा रहा है कि मारे गए सभी लोग मैतेई समुदाय के ही हैं। हालांकि इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकती। पूर्वी इम्फाल जिले के एसपी के. शिवाकांत सिंह ने कहा कि गांव में रात को 10 बजे के करीब फायरिंग शुरू हो गई। इसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 10 जख्मी हुए हैं। इन सभी लोगों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है और एक की हालत गंभीर है। एसपी ने बताया कि इलाके की सुरक्षा में फिलहाल असम राइफल्स तैनात है। किसी भी हिंसा को टालने के लिए फोर्स की मौजूदगी बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि हिंसा के बाद फिलहाल स्थिति कंट्रोल में है। इस बीच कूकी और मैतेई समुदाय के लोगों की ओर से अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। कूकी समुदाय के लोगों का कहना है कि उनके गांव में हमला हुआ था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

महागठबंधन और मांझी

बिहार की महागठबंधन सरकार में हिन्दुस्तान अवामी मोर्चा (हम) के कोटे से मंत्री संतोष कुमार सुमन के इस्तीफे का सरकार की सेहत पर भले असर न पड़े, मगर इसने सत्तारूढ़ गठजोड़ की मजबूती को लेकर सवाल तो पैदा कर ही दिए हैं। तब तो और, बिहार में महागठबंधन के मुखिया नीतीश कुमार के न्योते पर आगामी 23 तारीख को पटना में विरोधी दलों के कई बड़े नेता जुट रहे हैं। इस महामिलन का एजेंडा स्पष्ट है। ये विपक्षी नेता केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए के खिलाफ अगले आम चुनाव में एक मजबूत महागठजोड़ खड़ा करना चाहते हैं। मगर उनके भीतर के अंतर्विरोध कितने जटिल हैं, संतोष सुमन का इस्तीफा इसकी एक बानगी है। हालांकि, संतोष ने इसका कारण जद-यू में हम के विलय का प्रस्ताव बताया है, पर जिस तरह वह नीतीश कुमार की तारीफ कर रहे हैं, उसके निहितार्थ आसानी से समझे जा सकते हैं। अभी चंद रोज पहले ही सुमन के पिता और हम के मुखिया जीतन राम मांझी ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की थी, और तभी से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। ऐसे में, इस्तीफे का यह एलान अप्रत्याशित नहीं है। दरअसल, जनता दल (यूनाइटेड) बिहार विधानसभा में तीसरे नंबर की पार्टी है, और यह अवश्य चाहेगी कि बिहार की 40 लोकसभा सीटों के बंटवारे के लिए जब वह सहयोगी दलों के साथ बातचीत की मेज पर बैठे, तब उसका दावा कहीं से कमजोर न पड़े, शायद इसीलिए उसने हम को विलय का प्रस्ताव दिया हो, ताकि साथी दलों तक यह संदेश पहुंचे कि जद-यू का आकर्षण मंद नहीं पड़ा है। जद-यू को पिछले आम चुनाव में महज तीन पार्टियों के बीच सीटों की साझेदारी करनी पड़ी थी। भाजपा और उसके खाते में 17-17 सीटें आई थीं, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी को छह सीटें हासिल हुई थीं। दिलचस्प यह है कि जद-यू ने तब 16 सीटें जीत ली थीं। अब उसके लिए केंद्र से लेकर सूबे तक की राजनीति बदल चुकी है। मुश्किल यह है कि महागठबंधन में उसे राजद, कांग्रेस, वाम मोर्चा के साथ न सिर्फ बेहतर तालमेल बिठाना है, बल्कि अपनी सीटों को भी बचाना है। ऐसे में, पिछली बार महागठबंधन के तहत तीन लोकसभा सीटों पर लड़ने वाली हम पार्टी के विलय कराने की मंशा समझी जा सकती है। जाहिर है, जीतन राम मांझी भी इसे बखूबी समझ रहे हैं। भारतीय राजनीति की यह अपेक्षाकृत नई परिघटना अब ठोस हो चली है कि जातिगत पहचान वाली छोटी-छोटी पार्टियां खुलकर अपनी अहमियत का दावा कर रही हैं और बड़ी पार्टियों के लिए उन्हें दरगुजर करना आसान नहीं रह गया है। यह स्थिति सिर्फ बिहार-उत्तर प्रदेश में नहीं है, तमाम छोटे-बड़े राज्यों में दिख रही है। जीतनराम मांझी जानते हैं कि राज्य में एनडीए से जद-यू के बाहर आने के बाद उस गठबंधन में भी सीटों का विकल्प उपलब्ध हो सकता है, क्योंकि लोजपा बिखर चुकी है और किसी अन्य पार्टी में भाजपा पर दबाव बनाने की शक्ति नहीं है। इसलिए इस्तीफे के ऐसे दांव या आलोचनाओं के जरिये संकेत देने के खेल अब राज्य-दर-राज्य खेले जाएंगे। जैसे-जैसे आम चुनाव करीब आता जाएगा, सौदेबाजी की सियासत तेज ही होगी। मगर इस वक्त नीतीश कुमार और जद-यू के लिए चुनौती बड़ी है, उन्हें न सिर्फ राज्य में सबको जोड़े रखना है, बल्कि अपनी केंद्रीय प्रासंगिकता भी साबित करनी है, क्योंकि बिहार, बंगाल और महाराष्ट्र से ही भावी महागठबंधन अपनी उम्मीदें बांध रहा है!

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

बदलाव खेती-बाड़ी के लिए खतरे की घंटी

(लेखक- मुकेश तिवारी)

तापमान वृद्धि से वर्षा की किल्लत इसके अतिरिक्त तापमान वृद्धि से वर्षा में कमी होती है जिससे मिट्टी में नमी समाप्त हो जाती है ,भूमि में निरंतर तापमान की कमी व वृद्धि से अप्रक्षय की क्रिया प्रारंभ हो जाती है इसके साथ तापमान वृद्धि से गंभीर सूखे की संभावना बलवती हो जाती है इतना ही काफी नहीं जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को भी बुरी तरह प्रभावित कर रहा है क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन की उपलब्धता कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रसायनिक खादों का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं जो मिट्टी की उर्वरता को काफी प्रभावित कर रहा है सीएसई की रिपोर्ट के मुताबिक 50 साल में 69 प्रतिशत वन्य जीव घट गए हैं।

बीती सदी में हमारे मुल्क का सालाना औसत तापमान 0,7 डिग्री बढ़ गया है, हीट-वेव्ज की संख्या लगभग ढाई गुना बढ़ गई है, जलवायु परिवर्तन का असर ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ता तापमान शहरी क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 2डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं, जलवायु परिवर्तन खाद्य सुरक्षा के सभी 4 आयामों खाद्य उपलब्धता, खाद्य पहुंच, खाद्य उपयोग और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा कड़वी हकीकत तो यह है कि यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा तो मनुष्य के समक्ष 2050 तक पेट भरने के लिए अनाज जुटाना मुश्किल हो जाएगा।

वर्तमान दौर में कृषि पर जलवायु परिवर्तन का बुरा असर पड़ रहा है, बदलते मौसम के प्रभाव से सिर्फ फसलों का उत्पादन ही प्रभावित नहीं हो रहा है, बल्कि उनकी गुणवत्ता पर भी असर पड़ रहा है, यह बात देश की खाद्य सुरक्षा के लिए अहम चुनौती बन रही है, एक अनुमान के अनुसार यदि 2040 तक तापमान मैं 5 डिग्री तक इजाफा होता है तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर असर पड़ेगा, इस चेतावनी को भविष्य की महज संभावना की तरह नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि अगर हम अभी से नहीं चेते तो यह खतरा निश्चित है, इस तरह जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ रहा है तो अप्रत्यक्ष प्रभाव आमदनी की हानि और अनाजों की बढ़ती दरों के रूप में परिलक्षित हो रहा है।

ज्ञात रहे कि कृषि की उत्पादकता बढ़ाने में उपजाऊ मृदा, जल, अनुकूल वातावरण किट पतंगों से बचाव आदि की भूमिका रहती है प्रत्येक फसल को विकसित होने के लिए उचित तापमान उचित प्रकार की मृदा वर्षा तथा आंध्र की जरूरत होती है, लेकिन इनमें से किसी भी मानक में फेरबदल होने से फसलों की पैदावार काफी हद तक प्रभावित होती है, जबकि आने वाले दिनों में देश की जनसंख्या में इजाफा होगा, ऐसे में प्रथक-प्रथक फसलों की मांग बढ़ेगी, मगर जलवायु परिवर्तन इस राह में मुश्किल उत्पन्न करेगा, लिहाजा कृषि नीति को जलवायु परिवर्तन के जोखिम से निबटने के लिए फसल उत्पादकता में सुधार और सुरक्षा जाल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। तभी हम खाद्यान्न असुरक्षा जैसे संकटों से मुकाबला कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन खाद सुरक्षा के सभी चार आयामों खाद उपलब्धता, खाद्य पहुंच खाद्य उपयोग, और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा, असलियत यह है कि यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा तो हमारे सामने खाने का संकट उत्पन्न हो जाएगा, तापमान की बढ़ती गति को देखें तो आंकड़े बोलते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा जिसका सीधा असर खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा उदाहरण के लिए आज यहां गेहूं , सरसों और आलू की खेती हो रही है तापमान बढ़ने से इन फसलों की खेती कदापि नहीं हो सकेगी, क्योंकि इन फसलों को ठंडक की आवश्यकता होती है ठीक इसी प्रकार अधिक तापमान बढ़ने से मक्का, धान, ज्वार आदि फसलों का क्षरण हो सकता है क्योंकि इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता है अथवा कम बनता है इससे इन फसलों की खेती करना असंभव हो सकता है।

तापमान वृद्धि से वर्षा की किल्लत इसके अतिरिक्त तापमान वृद्धि से वर्षा में कमी होती है जिससे मिट्टी में नमी समाप्त हो जाती है ,भूमि में निरंतर तापमान की कमी व वृद्धि से अप्रक्षय की क्रिया प्रारंभ हो जाती है इसके साथ तापमान वृद्धि से गंभीर सूखे की संभावना बलवती हो जाती है इतना ही काफी नहीं जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को भी बुरी तरह प्रभावित कर रहा है क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन की उपलब्धता कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रसायनिक खादों का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं जो मिट्टी की उर्वरता को काफी प्रभावित कर रहा है सीएसई की रिपोर्ट के मुताबिक 50 साल में 69 प्रतिशत वन्य जीव घट गए हैं। इनमें स्तनधारी,पक्षी, मछलियां, सरीसृप,उभयचर,सभी तरह के जीव शामिल हैं ,ताजे पानी में रहने वाले जीवों की 83प्रतिशत आबादी अब नहीं बची है,यह किसी भी प्रजाति वर्ग की संख्या में सर्वाधिक गिरावट है, भारत में 12प्रतिशत स्तन धारी वन्य जीव समाप्ति की कगार पर है, जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा नुक्सान उठाने वाले देशों में भारत सातवें स्थान पर है 2050 तक इंसानों को पेट भरने के लिए भी अनाज मिलना मुश्किल हो जाएगा खतरे की घंटी इस साल 16 राज्यों में 280 हीट वेव चली जिसमें से 28ब्न राजस्थान ,मध्य प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ तापमान तेजी से घटते जंगल ,दूषित नदियां बर्बाद होती मिट्टी बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं और जहरीली हवा ने मानव जीवन के लिए बड़े खतरे उत्पन्न कर दिए हैं सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की महानिदेशक सुनीता नारायण द्वारा जारी ताजा साला रिपोर्ट के मुताबिक 11 मार्च से 18 मई 2022 के मध्य 16 राज्यों में 280 चली यानी इतनी बार तापमान सामान्य से 6,4डिग्री ज्यादा रहा वहीं , पिछले पांच दशकों में दुनिया में 69ब्न पशु पक्षी घट गए। आज समूचे विश्व में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है एवं इसका प्रभाव कहीं ज्यादा तो कहीं कम देखने में आ रहा है।

जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकद्यक में हम शीर्ष 20 देशों में शामिल हैं, पिछले 40 वर्षों में हमारी धरा का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बड़ा है इसके कारण बाढ़ सूखे और तूफान जैसी आपदाएं भी बढ़ी हैं क्योंकि अपने मुल्क में अधिकांश कृषकों के पास छोटा रकवा है, इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी बुरी तरह प्रभावित हो रही है ,कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि बढ़ते तापमान का संकट हिंदुस्तान पर मर्डर रहा है, इसलिए जलवायु परिवर्तन के फल स्वरुप उत्पन्न चुनौतियों के परिपेक्ष में ऐसे तरीकों की समीक्षा किया जाना बेहद जरूरी है जिसके द्वारा हमारे किसान जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न चुनौतियों का सामना करते हुए फसल कातन उत्पादन कर सकें एवं उन्हें फायदा भी हो सके साथ ही कृषि से उनका मोहभंग भी न हो, क्योंकि जलवायु परिवर्तन किसी एक देश अथवा क्षेत्र तक सीमित नहीं है इसलिए इसमें कमी लाने के लिए सभी स्तरों पर ठोस उपाय की जरूरत है कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि जलवायु परिवर्तन न केवल कृषि के लिए बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए भी खतरे के रूप में सामने आया है कोई भी मुल्क इसकी तपिश से बच नहीं सकता। प्रकृति प्रतिकूल गतिविधियों में बदलाव लाकर जैव विविधता की क्षति को काफी हद तक रोका जा सकता है।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस-

लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

-(15 जून/अनुभवों की खान)

हर साल 15 जून को विश्व स्तर पर मनाया जाता है। यह दिन बुजुर्ग लोगों के साथ दुर्व्यवहार और पीड़ा के विरोध में आवाज उठाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के समुदायों को बुजुर्गों के दुर्व्यवहार और उपेक्षा को प्रभावित करने वाली सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता पैदा करके दुर्व्यवहार और उपेक्षा की बेहतर समझ को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करना है।

इतिहास

इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर द प्रिवेंशन ऑफ एल्डर एब्यूज के अनुरोध के बाद संयुक्त राष्ट्र के संकल्प 66/127 को दरकिनार करते हुए दिसंबर 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी गई थी।

बुजुर्ग दुर्व्यवहार को एकल, या बार-बार कार्य, या किसी भी रिश्ते में होने वाली उचित कार्रवाई की कमी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जहां विश्वास की अपेक्षा होती है जो किसी वृद्ध व्यक्ति को नुकसान या परेशानी का कारण बनती है। यह एक वैश्विक सामाजिक मुद्दा है जो दुनिया भर में लाखों वृद्ध व्यक्तियों के स्वास्थ्य और मानवाधिकारों को प्रभावित करता है, और एक ऐसा मुद्दा जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय के ध्यान देने योग्य है।

दुनिया के कई हिस्सों में वयोवृद्धों के साथ दुर्व्यवहार बहुत कम मान्यता या प्रतिक्रिया के साथ होता है। कुछ समय पहले तक, यह गंभीर सामाजिक समस्या सार्वजनिक दृष्टि से छिपी हुई थी और इसे ज्यादातर निजी मामला माना जाता था। आज भी, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक टैबू बना हुआ है, जिसे दुनिया भर के समाजों द्वारा ज्यादातर कम करके आंका जाता है और अनदेखा किया जाता है। साक्ष्य जमा हो रहे हैं, हालांकि, यह इंगित करने के लिए कि बुजुर्ग दुर्व्यवहार एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक समस्या है।

बुजुर्ग दुर्व्यवहार एक ऐसी समस्या है जो विकासशील और विकसित दोनों देशों में मौजूद है, फिर भी विश्व स्तर पर आमतौर पर इसे कम करके आंका जाता है। प्रसार दर या अनुमान केवल चयनित विकसित देशों में ही मौजूद हैं - 1ब्न से 10ब्न तक। हालांकि बुजुर्ग दुर्व्यवहार की सीमा अज्ञात है, इसका सामाजिक और नैतिक महत्व स्पष्ट है। इस प्रकार, यह वैश्विक बहुमुखी प्रतिक्रिया की मांग करता है, जो वृद्ध व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा पर केंद्रित है।

स्वास्थ्य और सामाजिक दृष्टिकोण से, जब तक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सेवा क्षेत्र दोनों ही समस्या की पहचान करने और उससे निपटने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित नहीं हैं, तब तक बुजुर्गों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार का निदान और अनदेखी जारी रहेगी।

बुजुर्गों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को 6 कैटिगरीज में बांटा जा सकता है-

सरंचनात्मक और सामाजिक दुर्व्यवहार
अनदेखी और परित्यक्तता
असम्मान और वृद्धों के प्रति अनुचित व्यवहार करना
मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और गाली-गलौज करना
शारीरिक रूप से मारपीट करना
आर्थिक रूप से दुर्व्यवहार करना

कानून

भारत की जनसंख्या भी तेजी से बुढ़ापे की तरफ बढ़ रही है और पूरी आबादी का 20 प्रतिशत हिस्सा 60 साल से अधिक उम्र के लोगों का होगा। ऐसे में अगर भारत के युवा अपने बुजुर्गों का सम्मान करना शुरू नहीं करते या फिर इसके लिए कोई सख्त कानून नहीं बनाया जाता तो बुजुर्गों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार के मामले बढ़ते रहेंगे। मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ़ पेरेंट्स एंड सिटीजन्स एक्ट - साल 2007 में एक कानून बना था जिसमें माता-पिता की देखभाल के साथ ही यह भी प्रावधान था कि इस कानून के तहत माता-पिता अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं और कोर्ट चाहे तो बच्चों को माता-पिता की देखभाल करने का आदेश भी दे सकती है साथ ही हर महीने 10 हजार रुपये गुजारा भत्ता भी देने को कह सकती है।

आज अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस है। इस दिन को बुजुर्गों के महत्व को दर्शाने के लिए मनाया जाता है। आज के समय में कई बच्चे अपने वृद्ध माता-पिता के महत्व को न समझते हुए उन्हें बोझ मान लेते हैं और ओल्ड ऐज होम में छोड़ आते हैं। हम लाए हैं इनसे जुड़ी कुछ ऐसी बातें जो आपको भावुक कर देंगी।

घर में बड़े बुजुर्ग ही नहीं होंगे तो भला आशीर्वाद कौन देगा?

बुजुर्गों की यादों और उनसे जुड़ी चीजों को हमेशा संभालकर रखें।

बुजुर्ग हमेशा घर के बच्चों के मंगल की दुआ मांगते रहते हैं। वे भले ही दुनिया में न रहे लेकिन उनका आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

घर के बड़े-बुजुर्ग हमेशा परिवार को एक करके चलते हैं। चाहे बच्चा किसी भी पीढ़ी का हो वह हमेशा उसके सुख-दुख का ख्याल रखते हैं।

उम्र के साथ बुजुर्गों ने जो अनुभव लिए हैं, उन्हें दुनिया की कोई किताब नहीं सिखा सकती। हमेशा उनसे ज्यादा से ज्यादा सीखने की कोशिश करते रहें।

3 से 6 महीने जेल की सजा का भी है प्रावधान

इतना ही नहीं, अगर कोई अपने माता-पिता के साथ दुर्व्यवहार करता है या उन्हें अकेले अपना गुजारा करने के लिए छोड़ देता है इसके लिए आरोपी व्यक्ति को 3 से 6 महीने की जेल की सजा भी हो चुकी है। हालांकि अब तक इस कानून के बारे में कम ही लोगों को जानकारी है। साथ ही दुर्व्यवहार की शिकायत भी बहुत कम ही लोग करते हैं और इसके पीछे की वजह होती है समाज में नाम खराब होने का डर, अपने परिवारवालों पर बुजुर्गों की पूरी तरह के निर्भरता, आर्थिक और शारीरिक रूप से कमजोर होना और बुजुर्गों के पास ऑल्टरनेटिव ऑप्शन मौजूद न होना।

हेल्पएज इंडिया की स्टडी में सिर्फ 18 प्रतिशत बुजुर्ग ऐसे थे जिन्होंने अपने साथ हो रहे दुर्व्यवहार की शिकायत करने की बात स्वीकार की।

मैं सरकारों और सभी संबंधित अभिनेताओं से बुजुर्गों के दुरुपयोग के सभी पहलुओं को संबोधित करने के लिए अधिक प्रभावी रोकथाम रणनीतियों और मजबूत कानूनों और नीतियों को डिजाइन करने और लागू करने का आह्वान करता हूं। आइए हम मिलकर काम करें 0 वृद्ध व्यक्तियों के लिए रहने की स्थिति का अनुकूलन करें और उन्हें हमारी दुनिया में सबसे बड़ा संभव योगदान देने में सक्षम बनाएं।

सरकारी संस्थानों और सरकार के लिए नहीं होते, नियम कानून लागू

(लेखक- सनत जैन)

- करोड़ों खर्च होने के बाद भी कोई जिम्मेदार नहीं

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के मंत्रालय से कुछ ही कदमों की दूरी पर, सतपुड़ा संचालनालय में कई गाड़ियां अग्नि बुझाने वाली खड़ी हुई थी। आग लगने की सूचना मिलने के 1 घंटे बाद भी फायर बिग्रेड की गाड़ियां 350 कदम की दूरी तय नही कर पाई। जो गाड़ियां आई, वह प्रेशर से पानी की सप्लाई भी नहीं कर पा रही थी। जिसके कारण आग बढ़ती चली गई। आग बुझाने के पहले ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने दम तोड़ दिया। कई महीने पहले पांच करोड रुपए की लागत से एक हाइड्रोलिक अग्निशमन की मशीन फायर बिग्रेड को मिली थी। जिसके बारे में दावा किया गया था कि यह बहुमंजिला इमारतों की आग मिनटों में बुझा लेगी। लेकिन इस गाड़ी का उपयोग भी सतपुड़ा भवन की आग बुझाने पर नहीं हो पाया। पिछले 15 वर्षों में 3 बड़ी आगजनी की घटनाएं सतपुड़ा भवन में हो चुकी हैं।सतपुड़ा भवन में हर साल करोड़ों रुपए आग बुझाने के संयंत्रों, सतपुड़ा भवन में आंतरिक रूप से आग बुझाने के लिए जो उपाय किए गए थे। वह सब फेल साबित हुए।फायर सेफ्टी के लिए जो नियम कायदे कानून सरकार ने बनाए थे। उनके अनुसार कोई उपाय सफल नहीं हो पाए।सतपुड़ा भवन मेंआग बुझाने के लिए जो वाटर डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम बनाया गया था। पानी की सप्लाई करने के लिए वहाँ पाइप ही नहीं थे।आग बुझाने के लिए हाईराइज हाइड्रोलिक फायर बिग्रेड सिस्टम भी वहां तक नहीं पहुंच पाया। नाही आग बुझाने में उसकी कोई भूमिका सफल हुई।फायर बिग्रेड के 80 फ़ीसदी कर्मचारी अप्रशिक्षित हैं। उनके पास आग बुझाने के लिए जो उपकरण और परिधान उनके पास होने चाहिए थे,वह भी नहीं थे। आग धधकती रही, भवन जलता रहा, फाइलें जलती रही, जब सब कुछ जल गया,तब आप अपने आग बुझ गई। क्योंकि जलने के लिए कुछ बचा ही नहीं था। फायर सेफ्टी सिस्टम के लिए हर साल निरीक्षण होता है।सचिवालय और मंत्रालय के भवनों में करोड़ों रुपए हर साल फायर सेफ्टी के नाम पर खर्च किए जाते हैं। खजाने से हर साल करोड़ों रुपए खर्च हो जाते हैं। लेकिन जब इनकी जरूरत होती है, तब कोई भी सिस्टम काम नहीं कर पाता है।इसका सबसे बड़ा साक्षात उदाहरण, मंत्रालय में बैठे हुए मुख्यमंत्री, मंत्री और बड़े बड़े अधिकारियों ने स्वयं प्रत्यक्ष रूप में देख लिया। आग बुझाने के लिए सेना की टीम जब अपने उपकरण लेकर आई।तब जाकर आग पर 20 घंटे बाद काबू पाया जा सका। सरकार ने 30 करोड रुपए का बजट आग बुझाने के लिए दिया था। वह सारा पैसा खर्च भी हुआ है।लेकिन जब आग बुझाने की नौबत आई।तब 25 वर्ष पुरानी फायर बिग्रेड की गाड़ियां ही मौके पर पहुंची। वह भी आग बुझाने में असफल साबित हुईं। वह गाड़ियां और उनके उपकरण पूरी तरह से बीमार थे। सरकार ने आग से बचाव के लिए नियम कानून बना रखे हैं। सभी संस्थाओं के लिए उनका पालन करना अनिवार्य है। सरकार के मंत्रालय और सतपुड़ा विंध्याचल इत्यादि भवनों में हर साल जांच होती है। आग से सुरक्षा के नाम पर करोड़ों रुपए हर साल खर्च किए जाते हैं। इसके बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल जहां पर हर संसाधन मौजूद हैं। उसके बाद 20 घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। 12 हजार से ज्यादा फाइलें जलने की सूचना प्राप्त हुई है। सरकार ने एक कमेटी बना दी, जो जांच कर रही है। सतपुड़ा भवन में पहले भी तीन बार आग लग चुकी है। उस पर क्या कार्रवाई की गई है, इसको लेकर सभी मौन हैं। हर बार इस तरीके की घटनायें सामने आती है। नियम कानूनों का पालन खुद सरकार नहीं करती है। इसके लिए किसी की जिम्मेदारी भी तय नहीं होती है। यही घटना यदि किसी अन्य निजी संस्थान में हुई होती, तो उसके खिलाफ ताबड़तोड़ हर किस्म की कार्यवाही करने सरकारी अमले पहुंच जाते। लेकिन सरकारी सिस्टम जो खुद नियम कायदे कानून बनाते हैं। उनके हिसाब से सरकार के खजाने से राशि भी खर्च होती हैं। लेकिन वह कोई काम नहीं आती है। भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी सरकारी विभागों में चरम पर है। हर कोई अपनी जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालकर बच निकलता है। वही इस अग्निकांड के बाद देखने को मिलने लगा है। जब कोई घटना होती है,तब सरकार की बयान वीर बडे -बडे बयान देने के लिए आ जाते हैं। बहुत सारी घोषणाएं सरकार कर देती है। लेकिन हालत वही ढाक के तीन पात की तरह ही बने रहते हैं। सरकार आखिर सरकार होती है, इसमें किसी की जिम्मेदारी नहीं होती है। यह सबसे अच्छी बात है?

सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी

नई दिल्ली । सोने-चांदी के वायदा भाव में बुधवार को तेजी देखी जा रही है। इन दोनों के वायदा भाव बुधवार को तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव 72 हजार रुपये और सोना के वायदा भाव 59 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर बुधवार को चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 236 रुपये की तेजी के साथ 72,330 रुपये के भाव पर खुला। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपये किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 83 रुपये की तेजी के साथ 59,301 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 108 रुपये की तेजी के साथ 59,326 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया गिरावट पर खुला

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया गिरावट पर खुला। शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे नीचे आकर 82.29 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं फॉरेक्स डीलरों के अनुसार निवेशक अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरों पर फैसला का इंतजार कर रहे हैं इससे भी रुपया सीमित दायरे में ही कारोबार करता दिखा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.28 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद 82.29 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह गत बंद स्तर की तुलना में चार पैसे की गिरावट दिखा रहा है। इसके अलावा छह अन्य मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती का आंकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी नीचे आकर 103.28 पर पहुंच गया।

गो फर्स्ट ने उड़ानों को फिर 16 जून तक किया रद्द, टिकट के पैसे जल्द होंगे रिफंड

बिजनेस डेस्क: परिचालन के संकट के दौर से गुजर रही गो फर्स्ट एयरलाइन ने अपनी उड़ानों को 16 जून तक रद्द कर दिया है। गो फर्स्ट की ओर से एक बयान जारी कर कहा गया है कि परिचालन के कारण निर्धारित उड़ानों का संचालन 16 जून तक रद्द रहेगा, यात्रियों को जल्द ही टिकटों के पैसे रिफंड कर दिए जाएंगे। गो फर्स्ट ने एक ट्वीट में कहा, हमें आपको यह सूचित करते हुए खेद है कि परिचालन संबंधी कारणों से 16 जून 2023 तक निर्धारित गो फर्स्ट उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। उड़ान रद्द होने से हुई असुविधा के लिए हम क्षमा चाहते हैं। गो फर्स्ट ने एक पत्र में कहा, हम स्वीकार करते हैं कि उड़ान रद्द होने से आपकी यात्रा की योजना बाधित हो सकती है और हम हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा, जल्द ही भुगतान के मूल तरीके के लिए पूर्ण धनवापसी जारी की जाएगी। इससे पहले 8 जून को गो फर्स्ट ने घोषणा की थी कि उसकी निर्धारित उड़ान संचालन 12 जून तक रद्द रहेगा। एयरलाइन ऑपरेटर ने मई की शुरुआत में स्वैच्छिक दिवाला के लिए दायर किया था और तब से इसका संचालन ठप पड़ा हुआ था। नागरिक उड्डयन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन को 30 दिनों की अवधि के भीतर एक व्यापक पुनर्गठन या पुनरुद्धार योजना प्रस्तुत करने की सलाह दी थी। गो फर्स्ट द्वारा एक बार प्रस्तुत की गई पुनरुद्धार योजना की नियामक द्वारा इस मामले में आगे की उचित कार्रवाई के लिए समीक्षा की जाएगी।

एप्पल भारत में बढ़ा रहा दायरा, एक साल में 18 फीसदी आईफोन होंगे तैयार

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

आईफोन कंपनी एप्पल भारत में अपनी मैन्युफैक्चरिंग लगातार बढ़ा रही है। मोबाइल फोन के लिए केंद्र की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत, टेक दिग्गज एप्पल की योजना वित्त वर्ष 2025 तक ग्लोबल आईफोंस के प्रोडक्शन का 18 फीसदी भारत में शिफ्ट करने की है। बैंक ऑफ अमेरिका की एक रिपोर्ट की मानें तो वित्त वर्ष 2023 में, द्धक्कद्धश्ठद्ग के ग्लोबल प्रोडक्शन में भारत की हिस्सेदारी 7 फीसदी थी। पीएलआई योजना के आने से पहले आईफोन के ग्लोबल प्रोडक्शन में भारत की हिस्सेदारी नगण्य थी। पीएलआई योजना को पहली बार 6 अक्टूबर, 2020 को अधिसूचित किया गया था। 2020 में ही, केंद्र सरकार ने फॉक्सकॉन होन हाई, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन को मंजूरी दी, जो सभी भारत में एप्पल के अनुबंध निर्माता हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईफोन मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी और भी बढ़ सकती है अगर इसके वेंडर्स देश में विस्तार करें। रिपोर्ट में कहा गया है कि एप्पल की हिस्सेदारी और बढ़ सकती है अगर वह अपने बड़े पैमाने के विक्रेताओं को भारत में भी विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करती है। स्थानीय रूप से निर्मित आईफोन की उपलब्धता में सुधार और प्रीमियम प्रोडक्ट में रुचि पैदा करके एप्पल भारत के मोबाइल फोन बाजार में ज्यादा हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। वर्तमान में भारत के मोबाइल फोन बाजार में इसकी हिस्सेदारी लगभग 4 फीसदी है। हम देखते हैं कि भारत कैलेंडर वर्ष 2025 तक एप्पल की ग्लोबल आईफोन बिक्री में 5 फीसदी से अधिक का योगदान देता है और कैलेंडर वर्ष 2022-2025 में 21 फीसदी सीएजीआर दर्ज करता है।

एप्पल के वर्तमान में चीन में 151 की तुलना में भारत में 14 विक्रेता हैं। इनमें से अधिकांश विक्रेता दक्षिणी भारत में स्थित हैं, जो अनुबंध निर्माताओं, फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन (तमिलनाडु) और विस्ट्रॉन (कर्नाटक) के करीब हैं। रिपोर्ट के निष्कर्षों से पता चला है कि पीएलआई योजना के दो साल के भीतर, वित्त वर्ष 2023 में भारत से आईफोंस का निर्यात बढ़कर 40,000 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2022 में यह 11,000 करोड़ रुपये था। इसमें और तेजी आने की उम्मीद

है क्योंकि इस साल फरवरी से यह पहले ही मासिक निर्यात के 1 अरब डॉलर के रन-रेट पर पहुंच चुका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 38,000 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना ने स्थानीय उत्पादन में निर्यात मिश्रण को 16 फीसदी से 25 फीसदी तक सुधारने में मदद की है। रिपोर्ट कहती है कि भारत मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए 'विश्वसनीय ग्लोबल सप्लाई चेन' का एक विकल्प बनने में सक्षम है।

लोन या सरकारी स्कीम का लाभ लेना है तो आधार से पैन लिंक जरुरी

-30 जून तक जरुर करा लें, बाद में देनी होगी हजार रुपये पैनाल्टी

नई दिल्ली । देश में पैन और आधार कार्ड को लिंक कराने की तिथि 30 जून निर्धारित की है। इसके बाद जुर्माना तो लगेगा ही, साथ ही मुश्किल में पड़ सकते हैं। इस संबंध में आयकर विभाग ने ट्वीट करके लोगों को अलर्ट किया है। पैन कार्ड धारक 30 जून 2023 तक पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करवा लें। गौरतलब है कि भारत में पैन कार्ड और आधार कार्ड अहम दस्तावेज है। ये ना सिर्फ पहचान पत्र के तौर पर इस्तेमाल होते हैं बल्कि इनका उपयोग वित्तीय मामलों जैसे- आयकर और सरकार की अन्य योजनाओं का फायदा लेने के लिए भी होता है। पैन कार्ड का इस्तेमाल हर फाइनेंशियल काम को पूरा करने के लिए किया जाता है। इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने से लेकर बैंक अकाउंट ओपन कराने या प्रॉपर्टी खरीदने में, सभी कामों के लिए पैन कार्ड की जरूरत होती है। इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत देश का हर वह नागरिक जिसे 1 जुलाई 2017 को पैन कार्ड आवंटित किया गया है और उन लोगों को पैन कार्ड से आधार कार्ड को लिंक कराना अनिवार्य है। पैन और आधार लिंकिंग की डेडलाइन 30 जून, 2023 को खत्म होने वाली है। पहले यह डेडलाइन 31 मार्च 2023 तय की गई थी। वित्त मंत्रालय ने हालांकि बाद में 28 मार्च को जानकारी दी थी कि टैक्सपेयर्स की सुविधा को देखते हुए पैन आधार लिंकिंग की समय सीमा को बढ़ाकर 30 जून कर दिया गया है। इस तारीख से चूकते हैं तो फिर इस काम के लिए आपको 1000 रुपये पेनाल्टी देनी होगी। वहीं, अगर 30 जून तक पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक नहीं कराया गया तो आपका पैन इनवैलिड भी हो जाएगा। अगर 30 जून तक आप पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक नहीं कराते हैं और ऐसी स्थिति में पैन कार्ड इनवैलिड होता है तो आपको भारी आर्थिक नुकसान होगा।

कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया धीर-धीरे आ रही पटरी पर, शेयर के भाव में उछाल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

नई इक्विटी का प्रस्ताव लेने से कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया की ओ थिंक हालत सुधर रही है। कंपनी ने अपना कारोबार वापस पटरी पर लाने के लिए एक बड़ा निवेश का प्रस्ताव रखा है। खबरों के मुताबिक, कंपनी अपने बिजनेस रिवाइवल के लिए 14000 करोड़ रुपये की इक्विटी लगाने का प्रस्ताव दिया है। मीडिया से आ रही खबरों के मुताबिक, मौजूदा प्रमोटर आदित्य बिरला ग्रुप और यूके का वोडाफोन ग्रुप पीएलसी कुल राशी का आधा हिस्सा लगाएंगे। इस खबर के आने के बाद ही कंपनी के स्टॉक्स में तेजी हुई। शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इस महीने की शुरुआत में सरकार को सौंपी गई योजना के अनुसार, एबीजी और वोडाफोन ग्रुप जल्द ही कंपनी में नई इक्विटी के रूप में 2,000 करोड़ का निवेश करेंगे। सितंबर 2021 में सरकार के टेलीकॉम रिवाइवल पैकेज के बाद से प्रमोटर्स ने पहले ही 5,000 करोड़ की नई इक्विटी का निवेश किया है। रिवाइवल प्लान के हिस्से के रूप में, प्रमोटर कंपनी के साथ एक और 7,000 करोड़ जुटाने के लिए काम करेंगे। ये रकम या तो डायरेक्ट इक्विटी के रूप में या बाहरी निवेशकों से कन्वर्टिबल स्ट्रक्चर के माध्यम से जुटाई जाएगी।

अभी लेकिन इस खबर की पुष्टि न तो एबीजी, वोडाफोन आइडिया और न ही वोडाफोन ग्रुप ने की है। ईटी ने 15 फरवरी को रिपोर्ट में कहा था कि कि वीआई में 18प्रे` तिशत के करीब हिस्सेदारी रखने वाली एबीजी, प्रमोटर इक्विटी के रूप में निवेश करने के लिए नए फंड जुटाने के लिए विदेशी लेंडर्स के साथ बातचीत कर रही थी। एबीजी ने विदेशी उधारदाताओं के साथ लगभग 250 मिलियन डॉलर का करार किया है, लेकिन संभावना है कि वोडाफोन ग्रुप भी फंडिंग राउंड में भाग ले सकता है। वोडाफोन आइडिया के सीईओ अक्षय मूंदड़ा ने चौथी तिमाही के अर्निंग कॉल के दौरान कहा था कि कर्ज में डूबी कंपनी के लिए कंपनी इक्विटी इन्फ्यूजन के जरिए फाइनेंस जुटाने के लिए तीन निवेशकों के साथ एडवांस बातचीत कर रही है।

मुद्रास्फीति तीन साल के निचले स्तर, मई में घटकर शून्य से 3.48 प्रतिशत नीचे आई

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में घटकर शून्य से 3.48 प्रतिशत नीचे आई है। यह इसका तीन साल का निचला स्तर है। मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, ईंधन और विनिर्मित वस्तुओं के दाम घटने से थोक मुद्रास्फीति नीचे आई है। यह लगातार दूसरा महीना है, जबकि थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति शून्य से नीचे है। अप्रैल में यह (-) 0.92 प्रतिशत पर थी। मई, 2022 में थोक मुद्रास्फीति 16.63 प्रतिशत पर थी। मई, 2023 का मुद्रास्फीति का आंकड़ा तीन साल का निचला स्तर है। इससे पहले मई, 2020 में थोक मुद्रास्फीति (-) 3.37 प्रतिशत पर थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मई में खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति घटकर 1.51 प्रतिशत पर आ गई। अप्रैल में यह 3.54 प्रतिशत पर थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, मई में थोक मुद्रास्फीति में गिरावट की मुख्य वजह खनिज तेल, मूल धातु, खाद्य उत्पाद, कपड़ा, गैर-खाद्य सामान, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, रसायन और रसायन उत्पादों की कीमतों में कमी है।'' ईंधन और

बिजली खंड की मुद्रास्फीति मई में घटकर (-) 9.17 प्रतिशत पर आ गई। अप्रैल में यह 0.93 प्रतिशत थी। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति मई में शून्य से 2.97 प्रतिशत नीचे रही। अप्रैल में यह शून्य से 2.42 प्रतिशत नीचे थी। मई में खुदरा मुद्रास्फीति भी घटकर 4.25 प्रतिशत के 25 माह के निचले स्तर पर आ गई है।

टाटा स्टील संयंत्र में भाप रिसने की घटना में दो लोग गंभीर रुप से घायल

भुवनेश्वर । ओडिशा में टाटा स्टील के मेरामंडली संयंत्र से दुर्घटनावश भाप रिसने की घटना में घायल दो लोग अब भी गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में हैं, जबकि 16 अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। भाप रिसाव की घटना मंगलवार को दोपहर करीब एक बजे संयंत्र में जांच कार्य के दौरान हुई और संयंत्र के कर्मी और इंजीनियर इसकी चपेट में आ गए। बयान में कहा गया है, ''हादसे में झुलसे 18 लोगों को कटक के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और दो लोग अब भी आईसीयू में हैं। टाटा स्टील ने कहा, ''दुर्घटना स्थल पर घबराहट का गंभीर दौरा पड़ने की शिकायत के बाद शुरू में जिस व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, अब उसके स्वास्थ्य की स्थिति स्थिर है और उस जल्द अस्पताल से छुट्टी मिलने की संभावना है।'' पुलिस ने बताया कि करीब 19 लोग घटना में घायल हुए थे। घायलों को तुरंत संयंत्र के अंदर स्थित ऑक्युपेशनल हेल्थ सेंटर में भर्ती कर फिर उन्हें आगे के उपचार के लिए कटक भेजा गया।

मेटा ला रहा नया ऐप, फीचर्स के मामले में ट्वीटर को देगा टक्कर

नई दिल्ली ।

मेटा अब ऐसा ऐप ला रहा है जो फीचर्स के मामले में ट्वीटर को बड़ी टक्कर देने की तैयारी कर रहा है। कहा जा रहा है कि मेटा पिछले कुछ सालों से ट्विटर के कॉम्पीटिटर पर काम कर रहा है। अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कंपनी ट्विटर के कॉम्पीटिटर को तैयार करने के करीब हो सकती है, हालांकि इसका नाम क्या होगा, फिलहाल इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इसमें ट्विटर से मिलते जुलते फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। दरअसल, मेटा को अन्य सोशल मीडिया ऐप्स से फीचर कॉपी करके और अपने प्लेटफॉर्म पर जोड़ने के लिए भी जाना जाता है। चाहे वह टिकटॉक से इंस्पायर्ड रील्स हों, स्नैपचैट से इंस्पायर्ड स्टोरीज हों, या डिस्कॉर्ड से इंस्पायर्ड कम्युनिटीज हों- मेटा के सबसे लोकप्रिय ऐप जैसे कि इंस्टाग्राम, फेसबुक और वॉट्सऐप में यह सब हैं। और अब मार्क जुकरबर्ग ट्विटर को टक्कर देने की तैयारी में है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले हफ्ते, मेटा के टॉप एग्जीक्यूटिव्स ने कंपनी की मीटिंग में कर्मचारियों को अपने अपकमिंग ट्विटर कॉम्पीटिटर का प्रीव्यू दिखाया। इसके प्रीव्यू से पता चलता है कि ट्विटर जैसे फीचर्स के साथ यह मेटा का एक स्टैंडअलोन ऐप होगा। प्लेटफॉर्म का कोडनेम प्रोजेक्ट 92 है। स्क्रीनशॉट से पता चलता है कि मेटा, इस ऐप में यूजर्स को अपनी फेसबुक या इंस्टाग्राम आईडी से लॉग इन करने देगा, जिससे उन्हें नई आईडी बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अपकमिंग ऐप पर यूजर्स अपने विचारों को ट्विटर-स्टाइल में शेयर कर सकेंगे, जबकि अन्य यूजर्स इसे लाइक, कमेंट, री-शेयर कर सकेंगे। स्क्रीनशॉट में आगे पता चलता है कि इसमें यूजर्स को एक थ्रेड बनाने की सुविधा भी दी जाएगा, जो एक के बाद एक पोस्ट की सीरीज है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि ट्विटर से इंस्पायर्ड मेटा ऐप यूजर्स की जानकारी को पॉप्युलेट करने के लिए इंस्टाग्राम अकाउंट सिस्टम का उपयोग करेगा। मीटिंग के दौरान, मेटा के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर क्रिस कॉक्स ने पर कहा कि कंपनी पहले से ही ओपरा और दलाई लामा जैसी जानी मानी हस्तियों के साथ काम कर रही थी ताकि प्रोजेक्ट 92 ऐप को आजमाया जा सके।

टीसीएस सोर्स पर टैक्स कलेक्शन में बदलाव की उम्मीद

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

टीसीएस सोर्स पर टैक्स कलेक्शन में बदलाव की उम्मीद की जा रही है। इससे कुछ क्षेत्रों को छूट मिल सकती है, इसके अलावा शिक्षा से संबंधित अतिरिक्त खर्च को भी टीसीएस की नई दर से मुक्ति मिल सकती है। सरकार स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) के नियमों में कुछ बदलाव कर सकती है। हो सकता है कि विदेश में इलाज कराने वाले व्यक्ति के साथ गए तीमारदार के खर्च पर नई दर से टीसीएस नहीं वसूला जाए। इसके अलावा शिक्षा से संबंधित अतिरिक्त खर्च को भी टीसीएस की नई दर से मुक्ति मिल सकती है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि इस बारे में अधिसूचना इसी महीने जारी हो सकती है। उनके अनुसार यह भी स्पष्ट किया जा सकता है कि कारोबारी यात्रा के दौरान क्रेडिट एवं डेबिट कार्ड से होने वाले खर्च किस श्रेणी में रखे जाएंगे और उन पर टीसीएस लगेगा या नहीं। वित्त वर्ष 2023 के बजट में उदार संप्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत विदेश में होने वाले कुछ खास प्रकार के खर्च या लेनदेन पर टीसीएस की दर 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दी गई।

मिली जानकारी के अनुसार नई दर 1 जुलाई से लागू हो जाएंगी। शिक्षा एवं चिकित्सा से संबंधित यात्रा एवं इस दौरान आने वाले 7 लाख रुपये से अधिक खर्च पर अभी तक 5 प्रतिशत टीसीएस लगता रहा है। सूत्रों की मानें तो सरकार ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा एवं इलाज पर होने वाले खर्चों पर टीसीएस की दर कम ही रहेगी मगर ऐसे उद्देश्यों से जुड़े अतिरिक्त खर्च में क्या-क्या शामिल होगा, इसके लिए विस्तार से नियम-कायदे समझने की जरूरत होगी।

साल 2023 में 6500 एचएनआई देश छोड़कर जाने की तैयारी में

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

साल 2023 में भी भारत से बड़ी संख्या में अमीर लोग देश छोड़कर जा रहे हैं। रिपोर्ट 2023 के अनुसार साल 2023 में 6500 मोटी कमाई करने वाले देश छोड़कर जा सकते हैं। हालांकि, यह संख्या पिछले साल से कम है। पिछले साल 7500 अमीर लोग भारत छोड़कर गए थे। रिपोर्ट जारी करने वाला हेनले दुनियाभर में वेल्थ और इन्वेस्टमेंट माइग्रेशन पर नजर रखता है। हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स के देश छोड़कर जाने के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। पहला स्थान चीन का है। साल 2023 में चीन से 13,500 अमीर देश छोड़कर जा सकते हैं। मिलियनेयर या एचएनआई उन्हें कहा जाता है, जिनके पास 10 लाख डॉलर या इससे अधिक की इन्वेस्टेबल वेल्थ होती है।

देश छोड़कर जाने वाले अमीरों के मामले में दुनिया में तीसरा स्थान यूके का है। यहां से 3200 एचएनआई देश छोड़कर जा सकते हैं। वही, रूस से 3000 अमीर देश छोड़कर जा सकते हैं। यह चौथे स्थान पर है। साल 2022 में रूस से 8500 अमीर देश छोड़कर गए थे। अब सवाल यह है कि अमीर लोग अपना देश छोड़कर क्यों चले जाते हैं। यह टैक्स कानूनों की जटिलताओं के चलते देखने को मिलता है। भारत में टैक्स से जुड़े नियमों में जटिलताओं के चलते हर साल हजारों अमीर लोग देश छोड़कर चले जाते हैं।

दुनियाभर के अमीरों को दुबई और सिंगापुर जैसी जगहें सबसे ज्यादा पसंद आ रही हैं। अमीर उस देश में जाना पसंद करते हैं, जहां टैक्स से जुड़े नियम लचीले हों। टैक्स नियमों में जटिलता को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स वित्त मंत्रालय को घरते दिखे है। दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के पूर्व बोर्ड मेंबर टीवी मोहनदास पाई ने ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय ने एचएनआई का जीना मुश्किल कर दिया है। उन्होंने कहा कि टैक्स के नियमों को सरल किया जाना चाहिए।

टाटा कंपनी के कर्मचारियों की हो गई बल्ले-बल्ले, 62 परसेंट तक बढ़ गई सैलरी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप के कर्मचो` रियों की सैलरी में 62 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस तरह से कंपनी ने अपने टॉप एग्जीक्यूटिव्स को छप्परफाड़ इनाम दिया है।` मिली जानकारी के अनुसार ग्रुप ने इस साल इन अधिकारियों को 62 फीसदी तक सैलरी हाइक दिया है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी ट्रेंट, इंडियन होटल्स और टाटा कंज्यूमर जैसे हाई ग्रोथ बिजनसेज के टॉप अधिकारियों की सैलरी में हुई है। हालों कि 2022-23 में टाटा ग्रुप का सेल्स रेवेन्यू 97 अरब डॉलर रहा जो अब तक का रेकॉर्ड है। इस दौरान ग्रुप की अधिकांश कंपनियों की ग्रोथ 20 फीसदी से अधिक रही। ग्रुप के होल्डिंग कंपनी टाटा संस के बोर्ड में इन कंपनियों के टॉप अधिकारियों को इस शानदार प्रदर्शन का इनाम दिया है। टोटल पैकेज में सैलरी, कमीशन और दूसरे बेनिफिट्स शामिल हैं। सबसे ज्यादा हाइक ग्रुप की रिटेल चेन ट्रेंट के सीईओ पी वेंकटसेलू को दिया गया है। उन्हें 5.12 करोड़ रुपये की सैलरी के साथ कुल 62 परसेंट हाइक दिया गया है। बता दें` कि ट्रेंट का नेट प्रॉफिट पिछले साल 10 गुना बढ़कर 394 करोड़ रुपये रहा जबकि रेवेन्यू 80 फीसदी बढ़कर 8,242 करोड़ रुपये पहुंच गया।

इंडियन होटल्स के सीईओ पुनीत चटवाल को 18.23 करोड़ रुपये की सैलरी के साथ 37 फीसदी हाइक मिली है। टाटा कंज्यूमर के सीईओ सुनील डिसूजा को 24 परसेंट हाइक मिला है और उनकी सैलरी अब 9.5 करोड़ रुपये पहुंच गई है। वोल्टास के प्रदीप बख्शी को 22 फीसदी और टाटा केमिकल्स के आर मुकुंदन तथा टाटा पावर के प्रवीर सिन्हा को 16-16 परसेंट हाइक मिला है। सबसे कम हाइक टीसीएस के राजेश गोपीनाथन को मिला।

उनकी सैलरी में 13 फीसदी बढ़ोतरी हुई और यह 29.1 करोड़ पहुंच गई। हालांकि गोपीनाथन अब टीसीएस छोड़ चुके हैं। टाटा ग्रुप का कारोबार कई सेक्टर्स में फैला है। इनमें टेक्नोलॉजी, स्टील, ऑटोमोटिव, कंज्यूमर एंड रिटेल, इन्फ्रास्ट्रक्चर, फाइनेंशियल सर्विसेज, एयरोस्पेस एंड डिफेंस, टूरिज्म एंड ट्रेवल, टेलिकॉम एंड मीडिया, ट्रेडिंग और इन्वेस्टमेंट शामिल है। ग्रुप के कंपनियों की संख्या 30 पहुंच गई है। टाटा ग्रुप के एक अधिकारी ने कहा कि साल 2023 ग्रुप के लिए बेहद शानदार रहा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

सीएसके के वीडियो से धोनी के संन्यास की अटकलें लगीं

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो जारी किया है। जिससे बाद से ही सीएसके के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के प्रशंसकों की धड़कने तेज हो गयी हैं। इसमें लिखा है, ओह कैप्टन, माय कैप्टन. इस वीडियो में धोनी को सीढ़ियां चढ़कर ड्रेसिंग रूम में वापस लौटते देखा जा रहा है। वीडियो में धोनी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग करते हुए भी दिख रहे हैं। इस वीडियो के बैकग्राउंड में चल रहा संगीत माहौल को और भी भावुक बना रहा है। इस वीडियो के आने के बाद प्रशंसकों को लग रहा है कि कहीं धोनी आईपीएल को भी तो अलविदा नहीं कहने जा रहे। इस मामले हालांकि धोनी और सीएसके ने अभी तक कोई भी बयान नहीं दिया है। धोनी आईपीएल में धोनी घुटने की चोट से संघर्ष करते दिखे थे। इसी कारण वह बल्लेबाजी क्रम में भी काफी नीचे उतरे थे। टीम की जीत के बाद उनके घुटने की मुंबई में सर्जरी भी हुई थी। धोनी ने आईपीएल के बाद कहा था कि उनके लिए संन्यास का फैसला सबसे आसान है और उम्र के हिसाब से ठीक भी है क्योंकि अब शरीर भी साथ नहीं दे रहा है पर प्रशंसकों के प्यार को देखते हुए वह अगले आईपीएल में भी खेलने का प्रयास करेंगे।

टी20 क्रिकेट लीग पर अंकुश लगाने नये नियम ला रहा आईसीसी

आईपीएल पर नहीं पड़ेगा प्रभाव

मुम्बई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अब दुनिया भर में शुरु हो रही टी20 क्रिकेट लीग की मनमानी रोकने के लिए अब कड़े कदम उठाने जा रही है। इसके लिए आईसीसी नये नियम भी लागू कर सकती है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लोकप्रिय होने के बाद से ही कई देशों में एक के बाद एक टी20 लीग शुरु हुई हैं। इन लीग से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए खतरा भी बढ़ गया है क्योंकि कई बड़े खिलाड़ी पैसे के कारण राष्ट्रीय टीम को छोड़ने लगे हैं। ऐसें में आईसीसी की भी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं और उसके ऊपर सख्त कदम उठाने का दबाव बढ़ रहा है। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के ज्यादातर खिलाड़ी विदेशी लीग में खेलते हैं। बार-बार कई नामी खिलाड़ियों के केन्द्रीय अनुबंध से नाम वापस लेने के मामले सामने आ रहे हैं। इसमें इंग्लैंड के जैसन राय से लेकर न्यूजीलैंड के टैंट बोल्ट भी शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में आईसीसी अब विदेशी टी20 लीग को लेकर अगले कुछ महीनों में बड़े बदलाव के साथ सामने आ सकती है। इसके तहत अब किसी भी देश में खेली जाने वाली टी20 लीग के लिए अंतिम ग्यारह में अधिकतम चार खिलाड़ियों का नियम लागू किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह चार विदेशी खिलाड़ी आईसीसी के पूर्णकालिक टीमों से होंगे। इसे एसोसिएट देशों के खिलाड़ियों पर लागू नहीं माना जाएगा। इस नियम से इन देशों के खिलाड़ियों को ज्यादा खेलने के अवसर मिलेंगे। कई विदेशी लीग में 4 से ज्यादा खिलाड़ियों को अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाता है। हाल में लॉन्च की गई यूएई अंतरराष्ट्रीय लीग टी20 में अंतिम ग्यारह में 9 विदेशी खिलाड़ियों को शामिल किए जाने की मंजूर मिली हुई है। वहीं अमेरिका में खेली जाने वाली मेजर लीग क्रिकेट में छह खिलाड़ियों को अंतिम ग्यारह में शामिल किया जा सकता है। वहीं टी20 लीग का आयोजन करने वाले क्रिकेट बोर्ड को आईसीसी के नए नियम के मुताबिक अब उस क्रिकेट बोर्ड को पैसा देना होगा जिसके खिलाड़ी इसमें खेलेंगे। सभी टी20 लीग हर खिलाड़ी को मिलने वाली रकम का 10 प्रतिशत हिस्सा क्रिकेट बोर्ड को भी देगी। यह कम कमाई करने वाले क्रिकेट बोर्ड के लिए कमाई का जरिया बन सकता है। इससे उनको खिलाड़ियों और क्रिकेट की बेहतरी के लिए सहायता मिलेगी। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग में 2008 के पहले सीजन से ही अंतिम ग्यारह में अधिकतम 4 खिलाड़ियों को ही शामिल करने का नियम है। वहीं जब आईपीएल होता है तो उस समय काफी कम टीमें खेलती होती हैं।

लक्ष्य और श्रीकांत इंडोनेशिया ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

जकार्ता ।

भारत के लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत जीत के साथ ही इंडोनेशिया ओपन विश्व टूर सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। लक्ष्य और श्रीकांत ने पहले दौर के अपने मुकाबले आसानी से जीत लिए। दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने अपने से बेहतर 11 वीं रैंकिंग वाले मलेशियाई खिलाड़ी के जी जिया ली को आधे घंटे में ही 21-17, 21-13 से हरा दिया जबकि श्रीकांत ने चीन के ल्यू गुआंग झू को 21-13, 21-19 से पराजित किया। इस जीत के साथ ही श्रीकांत ने चीनी खिलाड़ी के खिलाफ अब तक के अपने पांचों मुकाबले जीत लिए हैं। अब अगले दौर में लक्ष्य और श्रीकांत का मुकाबला होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत के ही प्रियांशु राजावत भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये। प्रियांशु को थाईलेंड के कुनलावुत वितिदसार्न के मुकाबले से हटने के कारण वाकओवर मिला। अब दूसरे दौर में प्रियांशु का मुकाबला डेनमार्क के हेन्स क्रिस्टियन सोल्बर्ग विटिंगस और दूसरे वरीयता प्राप्त स्थानीय खिलाड़ी एंथोनी सिनिसुका गिनटिंग के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। वहीं महिला वर्ग में भारत की ही युवा महिला खिलाड़ी आकर्षी कश्यप को एकल के पहले दौर में ही दक्षिण कोरिया की आन से यंग ने 10-21 4-21 से हरा दिया।

विंबलडन की ईनामी राशि बढी, एकल विजेता को मिलेंगे 30 लाख डॉलर

लंदन । इस साल विंबलडन की कुल ईनामी राशि में 11 प्रतिशत का इजाफा हुआ है और एकल वर्ग में हर विजेता को करीब 23 लाख पाउंड (30 लाख डॉलर) यानी कि लगभग 24 करोड़ 63 लाख रूपए दिए जाएंगे। विंबलडन की कुल ईनामी राशि चार करोड़ 47 लाख पाउंड (पांच करोड 65 लाख डॉलर) होगी। आल इंग्लैंड क्लब ने बुधवार को इसकी घोषणा की। यह 2019 की तुलना में 17.1 प्रतिशत अधिक है। एकल विजेता के लिए पुरस्कार राशि 2019 के समान हो गई है। वर्ष 2021 में यह गिरकर 17 लाख पाउंड हो गई थी। वहीं 2020 में टूर्नामेंट कोरोना महामारी के कारण रद्द हो गया था और पिछले साल ईनाम 20 लाख डॉलर था। पहले दौर में हारने वाले को 69500 डॉलर मिलेंगे जो पिछले साल से दस प्रतिशत अधिक है।

वेस्टइंडीज दौरे के बाद होगा रोहित की टेस्ट कप्तानी पर फैसला !

मुम्बई ।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही कप्तान रोहित शर्मा आलोचकों के निशाने पर हैं। उन्हें भारतीय टीम की हार के बाद टेस्ट कप्तानी से हटाये जाने की भी मांग होने लगी है। रोहित की बल्लेबाजी भी पिछले कुछ समय में अच्छी नहीं रहे है। उसके कारण भी वह आलोचनाओं का शिकार हो रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वेस्टइंडीज दौरे में टेस्ट सीरीज के परिणाम के आधार पर ही चयनकर्ता दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले कप्तानी के नए विकल्प पर विचार कर सकते हैं। वहीं यदि वह इस सीरीज में रन बनाते हुए टीम को जीत दिलाते हैं तो उनकी कप्तानी पर आया संकट टल जाएगा। इसी बीच बीसीसीआई के एक अधिकारी ने रोहित को कप्तानी से हटाने की बातों को आधारहीन कल्पना करार दिया है। इस अधिकारी ने हालांकि माना कि वह पूरे दो साल के डब्ल्यूटीसी चक्र में रहेंगे, यह एक बड़ा सवाल है क्योंकि रोहित 2025 में तीसरा संस्करण समाप्त होने तक करीब 38 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने कहा, फिलहाल मेरा मानना है कि चयन समिति को दो टेस्ट के बाद और उनकी बल्लेबाजी फॉर्म को देखते हुए फैसला करना होगा। साथ ही कहा कि हमें वेस्टइंडीज दौरे के बाद दिसंबर के अंत तक कोई टेस्ट नहीं खेलना है। इसलिए चयनकर्ताओं के पास विचार करने और निर्णय लेने के लिए पर्याप्त समय है। इस अधिकारी ने कहा कि रोहित विराट कोहली के इस्तीफ के बाद टेस्ट कप्तानी स्वीकार करने के लिए बहुत उत्सुक नहीं थे, जब विराट ने उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में श्रृंखला हार के बाद कप्तानी छोड़ी थी। रोहित को नहीं पता था कि उनका शरीर टिक पाएगा या नहीं। तब उस समय के बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह ने रोहित को जिम्मेदारी लेने के लिए मनाया था।

संक्षिप्त समाचार

एशिया कप से वापसी कर सकते हैं राहुल

नई दिल्ली । बल्लेबाज लोकेश राहुल सर्जरी से उबरने के बाद अब फिट हो रहे हैं और सितंबर में होने वाले एशिया कप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। राहुल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के दौरान चोटिल होने के बाद से ही खेल से दूर हैं। सर्जरी के कारण ही वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी नहीं खेल पाए थे। ऐसे में अब राहुल का लक्ष्य एशिया कप में बेहतर प्रदर्शन कर टीम में अपनी जगह बनाना रहेगा। इसके लिए उन्होंने तैयारी भी शुरू कर दी हैं। भारतीय टीम के लिए यह साल बहुत ही अहम है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद अब टीम को एशिया कप और फिर आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप खेलना है। ऐसे में टीम प्रबंधन सीनियर खिलाड़ियों को लेकर ज्यादा सावधानी रख रहा है। आईपीएल 2023 में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल को आरसीबी के खिलाफ खेले मैच के दौरान चोट लगी थी। राहुल को लेकर अच्छी खबर यह है कि उन्होंने सर्जरी के बाद अपनी रिहैब शुरू कर दी है। बैंगलोर के नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में वो अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। भारतीय टीम अगले साल अपने नए अभियान के तहत वेस्टइंडीज के दौरे पर जाएगी। इस दौरे तक हालांकि उनका फिट होना संभव नहीं है पर एशिया कप वह खेल सकते हैं।

टीएनपीएल में अंतिम गेंद पर सबसे अधिक रन देने का रिकार्ड बना

चेन्नई । यहां जारी तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक ही गेंद पर सबसे अधिक 18 रन बने हैं। है। ये क्रिकेट इतिहास में अंतिम गेंद पर सबसे ज्यादा रन देने का रिकार्ड है। चेपॉक सुपर गिलीज के खिलाफ सैलम स्पार्टन्स के गेंदबाज अभिषेक तनवर ने पहले तीन ओवरों में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 3 ओवर में कुल 18 रन दिए थे और एक सफलता हासिल की थी। ऐसे में कप्तान अभिषेक ही अंतिम ओवर के लिए आये पर वह फिफल रहे और उन्होंने कुल 18 रन अंतिम गेंद पर ही ही दे दिए। क्रिकेट इतिहास की ये सबसे महंगी अंतिम गेंद रही। अभिषेक ने चेपॉक टीम के बल्लेबाज संजय यादव को पारी की अंतिम गेंद पर साफ बोल्ड कर दिया था पर ये गेंद नो बॉल घोषित हुई। एसे में अगली गेंद फ्री हिट थी, जिस पर बल्लेबाज ने छक्का लगा दिया। हालांकि, ये गेंद भी नो बॉल घोषित हो गई। इसके बाद अगली गेंद भी फ्री हिट थी, जिस पर दो रन आए, लेकिन कप्तान अभिषेक ने फिर से नो बाल फैंक दी। इस प्रकार 11 रन बन गये थे और एक गेंद अभी भी शेष थी। ऐसे में अभिषेक ने अगली गेंद की तो वह वाइड हो गई। इसा प्रकार इस गेंद पर 12 बन गये थे। अभिषेक ने अगली गेंद फेंकी जो फ्री हिट थी। इस पर संजय ने छक्का मार दिया। इस प्रकार अंतिम गेंद पर सबसे ज्यादा रन का एक रिकार्ड बन गया।

बृजभूषण पर कसेगा शिकंजा, महिला पहलवानों ने दिल्ली पुलिस को सबूत दिये

नई दिल्ली ।

महिला पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस को सबूत दिये हैं। इन पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाये थे। जिसके बाद पुलिस ने महिला पहलवानों से इस मामले में साक्ष्य उपलब्ध कराने को कहा था। बृजभूषण के खिलाफ जारी जांच अब अंतिम चरण में आ गयी है। इसी कारण पहलवानों से अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने को कहा गया था। ऐसे में चार महिला पहलवानों ने पुलिस को कई ऑडियो-वीडियो उपलब्ध कराए हैं। पुलिस को इस मामले में 15 जून तक चार्जशीट फाइल करनी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोप लगाने वाली 6 महिला पहलवानों में से 4 ने पुलिस को ये सबूत उपलब्ध कराए हैं। इन महिलाओं ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बृजभूषण पर बहाना बनाकर उन्हें गलत इरादे से छूने के आरोप लगाये थे जिसके बाद से ही पुलिस ने इन आरोपों की पुष्टि के लिए साक्ष्य मांगे थे।

इस मामले में पुलिस ने बृजभूषण के करीबियों से भी पुछताछ की है। इस मामले में अब तक करीब 200 लोगों के बयान भी दर्ज हुए हैं। जिसमें शिकायतकर्ता पहलवान, कोच, रेफरी और बृजभूषण के करीबी भी शामिल हैं। दिल्ली पुलिस ने महिला पहलवानों के आरोपों की जांच के लिए 5 देशों के कुश्ती महासंघों से भी सहायता के तौर पर वीडियो और तस्वीरें भेजने को कहा है। इन पहलवानों का आरोप हैं कि इन देशों के दौरे के समय ही उनका उत्पीढ़न हुअआ।

महिला पहलवानों ने बृजभूषण पर आरोप लगाते हुए कहा कि इंडोनेशिया, बुल्गारिया, कजाकिस्तान, मंगोलिया और किर्गिस्तान में आयोजित टूर्नामेंट के दौरान उनका उत्पीड़न हुआ था।

इस कारण दिल्ली पुलिस ने इन देशों के कुश्ती महासंघों को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के वीडियो फुटेज और एथलीटों के ठहरने के स्थान का वीडियो उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। 15 जून तक दिल्ली पुलिस इस मामले में अपनी रिपोर्ट अदालत में पेश करेगी करेगी।

गुरनाज विश्व कप फुटबॉल अंडर-17 क्वालीफाई मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल

चंडीगढ़ । युवा खिलाड़ी गुरनाज सिंह ग्रेवाल को विश्वकप अंडर-17 क्वालीफाई मैच के लिए टीम में जगह मिली है। विश्वकप अंडर-17 में क्वालीफाई करने के लिए भारतीय टीम को अंडर-17 एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। यह टूर्नामेंट थाईलैंड में गुरुवार 15 जून से शुरु होकर अगले माह 4 जुलाई तक खेला जाएगा। इसमें जापान, उज्बेकिस्तान और वियतनाम टीमें भारत के पुल में हैं। ऐसे में भारतीय टीम को अपनी तैयारी बेहतर करने के लिए यूरोप में कई अभ्यास मैच खेले हैं। यूरोप में अभ्यास मैच के दौरान ही गुरनाज ने अच्छा प्रदर्शन किया था। एशिया कप व विश्व कप क्वालीफाई राऊंड मुकाबले के लिए इंडिया टीम के खिलाड़ियों ने मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस के नेतृत्व में कई अभ्यास मैच खेले हैं। इसके साथ ही जर्मनी में कुछ मैत्री मुकाबलों और प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा लेने के साथ ही स्पेन में भी कुछ मैचों में भाग लिया था। गुरनाज ने यूरोप में अपने हाल के प्रशिक्षण शिविरों में भारत अंडर-17 टीम के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस 16 वर्षीय मिडफील्डर को काफी बेहतर माना जाता है क्योंकि वह खेल में तकनीकी रूप से काफी मजबूत हैं और गेंद को बहुत अधिक भिन्नता के साथ पास करने के साथ ही डिफेंस में भी कुशल है।

प्रतिभाशाली छात्र की सहायता के लिए सामने आये राहुल

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज लोकेश राहुल आजकल सर्जरी से उबर रहे हैं। राहुल टीम में वापसी के लिए इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अभ्यास कर रहे हैं। राहुल इसी दौरान अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए एक प्रतिभाशाली युवा छात्र की उच्च शिक्षा में सहयोग के लिए सामने आये हैं। राहुल हुबली के अमृत माविंकट्टी नाम के एक छात्र की सहायता के लिए सामने आये। राहुल इस छात्र की शिक्षा का खर्च उठाएंगे जिसमें फीस सहित किताबों और रहने खाने का खर्च भी शामिल है। अमृत को बारहवीं में 95 फीसदी अंक मिले हैं और वह एक प्रतिभाशाली छात्र हैं। अमृत ने अपने परिवार की कमजोर आर्थिक हालत को देखते हुए उच्च शिक्षा के लिए सहायता मांगी थी। इस बारे में जानकारी मिलते ही राहुल ने इस छात्र के भविष्य को देखते हुए वित्तीय सहायता प्रदान करके उनकी मदद करने के लिए कदम आगे बढ़ाया। राहुल पहले भी समय-समय पर जरुरतमंदों की सहायता करते रहते हैं। कोरोना संक्रमण के दौरान भी उन्होंने कई लोगों की सहायता की थी।

हरभजन ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए चुनी टी20 टीम, रिंकू, तिलक सहित छह युवा खिलाड़ी शामिल

रोहित , विराट सहित कई अनुभवी खिलाड़ियों को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली ।

दिग्गज पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अपनी पसंदीदा की टी20 टीम चुनी है। हरभजन ने अपनी इस टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविंद्र जडेजा, मोहम्मद शमी जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को जगह नहीं देते हुए युवाओं को शामिल किया है। भारतीय टीम इस दौरे पर 5 टी20 मैच खेलेगी। टी20 श्रृंखला 3 अगस्त से शुरू होने वाली है और इसमें आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचने वाले रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, आकाश मधवाल, जितेश शर्मा और यशस्वी जायसवाल को जगह दी गयी है। इस टीम की कप्तानी हार्दिक पांड्या को सौंपी है।

हरभजन ने टीम में जिन युवाओं को शामिल किया है। उसमें रिंकू सिंह , तिलक तिलक, आकाश मधवाल, जितेश शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने हाल में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया था। उन्होंने टीम में चार बल्लेबाजों शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, रुतुराज गायकवाड़ और इशान किशन को रखा है। अनकैप्ड खिलाड़ियों में हर्षित राणा को भी जगह दी है जबकि इस खिलाड़ी ने इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से ज्यादा मैच नहीं खेले हैं। वहीं रिंकू ने इस आईपीएल सत्र में डेथ ओवरों में जमकर रन बनाये थे। तिलक ने मुंबई इंडियंस के लिए अब तक दोनो ही सत्र में रन बनाये हैं। जितेश को पिछले दो सत्रों में पंजाब किंग्स के लिए उनके अच्छे प्रदर्शन की बदौलत संभावित फिनिशर और विकेटकीपर के रूप में देखा गया जबकि यशस्वी जायसवाल ने राजस्थान रॉयल्स के लिए इस सत्र में काफी रन बनाये हैं।

हरभजन की भारतीय टी20 टीम इस प्रकार है :

हार्दिक पांड्या (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन, सूर्यकुमार यादव, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, रवि बिश्नोई, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, आकाश मधवाल।

आईसीसी टूर्नामेंटों में जीत के लिए निडर होकर खेले भारतीय टीम : गांगुली

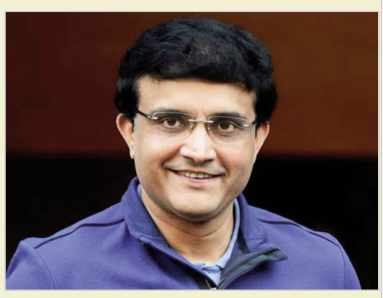

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि भारतीय टीम को आईसीसी टूर्नामेंट जीतने के लिए निडर होकर खेलना होगा। गांगुली ने बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों को लेकर कहा, पिछले एक दशक में भारत ने चार फाइनल खेले और उनमें उसे एक बार भी जीत नहीं मिली। ऐसे में मेरा मेरी सलाह है जब आप इन बड़े मुकाबलों तक पहुंचें तो बिना किसी डर के खेलें। साथ ही कठिन फैसले भी लें।यह पूछे जाने पर कि क्या भारतीय टीम बड़े नॉकआउट मैचों में अनिश्चितता के कारण संघर्ष करती रही है, गांगुली ने कहा, हो सकता है कि कभी-कभी कुछ अलग सोच हो पर मैं बाहर से ऐसा ही देख रहा हूं और मैं सम्मान के साथ कहता हूं कि जाओ और खेलो। उन्होंने कहा, एडिलेड में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप का सेमीफाइनल भी उन्हें आक्रामक होकर खेलना था पर ऐसा हुआ नहीं। अब मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा को चाहिए कि विश्व कप के लिए टीम को निडर होकर उतरने की तैयारी करायें। विश्वकप भारत में अक्टूबर और नवंबर में खेला जाएगा। अपनी धरती पर होने के कारण भारतीय टीम को इसमें प्रशंसकों का भी समर्थन मिलेगा। ऐसे में उसके पास जीत के लिए एक अच्छा अवसर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जादुई सौन्दर्य का खजाना

लाहौल-स्पीति

लाहौल और स्पीति हिमाचल प्रदेश के सुदूर इलाकों में से एक है। इन्हीं इलाकों के नाम पर जिले का नाम लाहौल स्पीति रखा गया है। यह हिमाचल प्रदेश के भारत-तिब्बत सीमा पर स्थित है। लाहौल और स्पीति दो जिले थे, जिन्हें 1960 में एकीकृत कर दिया गया था। अब यह हिमाचल प्रदेश का एक जिला है। लाहौल और स्पीति अपनी ऊंची पर्वतमाला के कारण शेष दुनिया से एक तरह से कटा हुआ है। रोहतांग दर्रा 3978 मीटर की ऊंचाई पर लाहौल और स्पीति को कुल्लू घाटी से अलग करता है। जिले की पूर्वी सीमा तिब्बत से मिलती है। चारों तरफ झीलों, दर्रा और हिमखंडों से घिरी आसमान छूते शैल-शिखरों के दामन में बसी लाहौल-स्पीति घाटियां अपने जादुई सौन्दर्य और प्रकृति की विविधताओं के लिए मशहूर है। प्रकृति ने तो इसे लाजवाब सौंदर्य प्रदान किया है। मैदानी और पहाड़ी रास्तों पर दूर-दूर तक जहां भी नजर डालें, बर्फ ही बर्फ दिखाई देती है। सर्दियों के मौसम में तो बर्फ के अलावा और कुछ दिखता ही नहीं। इसीलिए स्कीइंग और आइस स्केटिंग के लिए लाहौल का अपना महत्व है। यद्यपि लाहौल स्पीति एक जिला है, लेकिन भौगोलिक दृष्टि से ये दोनों अलग-अलग जगहें हैं। स्पीति ठंडा रेगिस्तान है, जहां बारिश नाम मात्र की होती है और लाहौल घाटी विशाल चट्टानी पर्वतों के मध्य बसी है। इसका मुख्यालय केलांग है। यहां के सैरसपाटे के लिए जाने वालों को रोमांचकता से भरपूर प्रकृति से रूबरू होने का अवसर मिलता है

किन्नौर : हिमाचल प्रदेश का सीमावर्ती जिला किन्नौर आज भी किन्नर देश के नाम से जाना जाता है। शिमला से काजा यानी स्पीति जाते समय सभी सैलानी किन्नौर जरूर घूमते हैं। सतलज के आरपार फैली किन्नौर की सुंदर और रोमांचक घाटियों को देखने का अद्भुत आन्नद मिलता है। सांगला घाटी किन्नौर का मुख्य आकर्षण है। यहां पूरे सालभर बर्फ से ढकी चोटियां, विभिन्न प्रकार के मनमोहक खुशबू बिखेरते फूल, सेब, बादाम, अंगूर के बाग और बौद्ध मंदिर में नृत्य महोत्सव यहां आने वाले सैलानियों का स्वागत करते नजर आते हैं।

काजा : हिमाचल प्रदेश के दुर्गम और कठिन इलाकों में शुमार काजा का नाम प्रमुख है। समुद्र तल से 3660 मीटर की ऊंचाई पर स्पीति नदी के बाईं तरफ काजा बसा है। यह लाहौल स्पीति जिले का उपमुख्यालय भी है। यह स्थान सैलानियों को इतना मस्त कर देता है कि वे यहां स्वर्ग सा महसूस करते हैं। काजा से 12 किलोमीटर दूर ''की' नामक बौद्ध विहार है।

किब्बर : काजा के आसपास आकर्षणों में विश्व प्रसिद्ध किब्बर गांव है, जो दुनिया का ऐसा सबसे ऊंचा गांव कहलाता है, जहां सड़क और बिजली पहुंच चुकी है। जबकि वर्ष के अधिकांश महीनों में यहां बर्फ पड़ती है। इतनी ऊंचाई पर भी कुछ लोग बस गये हैं जिसे गेते कहा जाता है। किब्बर विश्व भर के पर्वतारोहियों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। यहां से हिमालय के विभिन्न स्थानों पर पैदल मार्ग से जाते हैं। ये मार्ग प्राय- नक्शों या अनुमान से तलाश लिए जाते हैं।

कुंजम दर्रा : काजा से घूमने के बाद सैलानी स्पीति के सीमांत की ओर बढ़ते हैं। जहां कुंजम दर्रा से मुलाकात होती है, जो विश्व प्रसिद्ध रोहतांग दर्रा से काफी ऊंचा है। यहां से पर्यटक छोटा शिगड़ी ओर बड़ा शिगड़ी ग्लेशियरों को देख सकते हैं। कुजंम दर्रा पार करने के लिए 4551 मीटर की ऊंचाई को पार करना पड़ता है। इसके पार करने पर निचले भूभाग में लाहौल का विस्तार है। जो स्पीति जैसा चट्टानी और रेतीला कम, हराभरा और उपजाऊ ज्यादा है।

चंद्रताल झील : कुंजम दर्रा पर आने से पहले घोड़े द्वारा या पैदल चलकर बाटल नामक स्थान से दाहिनी ओर मुड़कर चंद्रताल झील के तिलस्मी लगने वाले संसार में पहुंचा जा सकता है। वास्तव में चंद्रताल झील स्तब्ध और मुग्ध कर देने वाली झील है जिसमें से चंद्र नदी निकलती है। यही नदी आगे सूरजताल झील से निकली भागा नदी से मिलकर चंद्रभागा कहलाती है। यही चंद्रभागा लाहौल से निकलते ही चिनाब बन जाती है।

बारालाचा दर्रा : यह दर्रा केलांग से 75 किलोमीटर आगे 4890 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। बारालाचा दर्रा से जंस्कर, लद्दाख, स्पीति और लाहौल के चार मार्ग जुड़ते हैं। यह दर्रा प्रचीन व्यापारियों, हमलावरों और सैलानियों का मुख्य केंद्र रहा।

सूरजताल : बरालाचा दर्रा की शुरुआत पर ही सूरजताल को रास्ता जाता है। चंद्रताल या सूरजताल जाने के इच्छुक लोगों को काजा या केलांग अथवा शिमला या मनाली के पर्यटन केंद्र से पूरी जानकारी ली जा सकती है, क्योंकि कुछ पर्यटन स्थल पर्यटकों के लिए प्रतिबंधित हैं।

केलांग : कुल्लू मनाली से रोहतांग-पास के रास्ते लाहौल जाने वालों के लिए केलांग जाना पहचाना नाम है। केलांग से ही लेह के लिए बस मार्ग है। काजा और केलांग के रास्तें में खेकसर, सिस्तु, गांधला आदि स्थान दर्शनीय हैं। भागा के तट पर बसा केलांग लाहौल स्पीति का मुख्यालय और प्रमुख बाजार है। केलांग अपने खुले भूभाग और सुंदरता के कारण पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां अनेक बौद्ध मंदिर और प्राचीन मठ हैं।

ताबो मठ : प्रसिद्ध ताबो मठ लगभग एक हजार साल पहले बना था। यह बौद्ध विहार अनेक प्रतिमाओं, चित्रों, दुर्लभ पांडुलिपियों और प्रचीन वाद्ययंत्रों का संग्रहालय है। जिसमें बौद्ध लामा व भिक्षुओं का समाज रहता था, जो लोगों को ध्यान, ज्ञान की दीक्षा देता था। ताबो में 9 मंदिर, 23 स्तूप देखने लायक हैं।

पिन घाटी : हिमालय की बेहद खूबसूरत घाटी है पिन। ट्रैकिंग के लिए यहां काफी लोग आते हैं। यहां के जंगलों में बर्फीले इलाकों का तेंदुआ और आइबैक्स पाए जाते हैं। ये दोनों जानवर अब विलुप्ति के कगार पर हैं।

पर्यटन का खजाना मध्यप्रदेश

पर्यटन में अलग ही पहचान रखता हैं मांडू

भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश में पर्यटन के ऐसे बहुत से स्थल है जहां देश विदेश के असंख्य सैलानी इन्हें देखने आते हैं। धार्मिक महत्व के अलावा पुरातात्विक महत्व के इन स्थलों में कान्हा किसली, महेष्वर खजुराहो, भोजपुर, ओंकारेश्वर, सांची, पचमढ़ी, भीमबेटका, चित्रकूट, मैहर, भोपाल, बांधवगढ़, उज्जैन, आदि उल्लेखनीय स्थल हैं।

कान्हा किसली

940 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विकसित कान्हा टाइगर रिजर्व राष्ट्रीय उद्यान हैं। इसे देखने के लिए किराये पर जीप, टाइगर ट्रेकिंग के लिए हाथी पर सवार होकर उद्यान को देख सकते हैं। कान्हा में वन्यप्रणियों की 22 प्रजातियों के अलावा 200 पक्षियों की प्रजातिया है। यहां बामनी दादर एक सनसेट प्वाइंट है। यहां से सांभर और हिरण जैसे वन्यप्रणियों को आसानी से देख जा सकता है। लोमड़ी और चिंकारा जैसे वन्यप्राणी कम ही देखने को मिलते हैं। कान्हा जबलपुर, बिलासपुर और बालाघाट से सड़क माग से पहुंचा जा सकता है। नजदीकी विमातल जबलपुर में हैं।

महेश्वर

रामायण और महाभारत में महेश्वर को महिष्मती के नाम से संबोधित किया गया है। देवी अहिल्याबाई होल्कर के समय में बनाए गए सुंदर घाटों का प्रतिबिम्ब नदी में दिखाई देता है। महेश्वर किले के अंदर रानी अहिल्याबाई की राजगद्दी पर बैठी एक प्रतिमा रखी गई हैं। महेश्वर घाट के आसपास कालेश्वर, राजराजेश्वर, विट्ठलेश्वर और अहिलेश्वर के सुन्दर मंदिर हैं। इंदौर विमानतल से 91 किलोमीटर पर महेश्वर स्थित हैं।

भीमबेटका

भोपाल से 46 किमी की दूरी पर स्थित है भीमबेटका जहां हजारों साल पुरानी गुफाएं हैं। इस पर्यटन स्थल की विशेषता चट्टानों पर हजारों वर्ष पूर्व बनी चित्रकारी एवं करीब 500 गुफाएं हैं। यहां प्राकृतिक लाल और सफेद रंगों से वन्यप्राणियों के शिकार दृष्यों के अलावा घोड़े, हाथी, बाघ आदि चित्र उकेरे गए हैं। इसके अलावा आदिपुरुष एवं जीवों के विभिन्न रूपों में अनेक प्रकार के प्राचीन चित्र होने के साथ ही आदिमानव द्वारा निर्मित भीत्ती चित्रों की दुर्लभ श्रृंखला देखते ही बनती है। यहा पिकनिक के लिए उपयुक्त स्थान है। यहां पुरातत्व का अथाह खजाना भरा पड़ा हैं। सैलानी यहां सदैव आते-जाते रहते हैं। भोपाल से नजदीकी के कारण भीमबेटका में रुकने के साधन नहीं हैं। जहां सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता हैं।

मांडू

मध्यप्रदेश में यों तो पर्यटन स्थलों का अथाह भंडार है किन्तु उनमें भी मांडू अपनी विशिष्टता के लिए अपना अलग ही स्थान रखता है। कहने वाले इसे खंडहरों के गांव के नाम से भी संबोधित करते हैं परंतु इन खंडहरों के बोलते पत्थर हमें इतिहास के कथा बयां करते है जिसमें रानी रूपमती और बादशाह बाज बहादुर के अमर प्रेम और मांडू के षासकों की विष्शाल समृद्ध विरासत व शानो-शोकत के साथ ही हरियाली से आच्छादित पर्यटको का स्वागत करते जहां के प्राचीन दरवाजे। धुमावदार रास्तों के साथ ही सीताफलों से लबालब भरे पेड़, कमलगटे, इमली के विषाल वृक्ष बरबस ही पर्यटको को अपनी ओर आकर्षित करे बिना नहीं रहते।

विंध्याचल की पहाड़ियों पर लगभग दो हजार फीट की ऊचाई पर स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ के नाम से भी जाना जाता है हिंडोला महल, रानी रूपमती का महल, जहाज महल, जामा मस्जिद, अशरफी महल, जैन धर्म का 1472 ई. की पार्श्वनाथ की श्वेत पद्मासन प्रतिमा देखने योग्य है। नीलकंठ महल की दीवारों पर अकबरकालीन कला की नक्काशी भी देखने योग्य हैं। अन्य स्थलों में हाथी महल, दरियाखान की मजार, दाई का महल, दाई की छोटी बहन का महल, मलिक मघत की मस्जिद और जाली महल भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

यहां मई ओर जून में गर्मी अधिक पड़ने के कारण जाना उचित नहीं हैं। जुलाई से मार्च तक यहां सैलानियों का जमघट लगा रहता है। यहीं एक रेवा कुंड का निर्माण बादशाह बाजबहादुर ने अपनी प्रेमिका रानी रूपमती के महल में पानी की पर्याप्त व्यवस्था के स्त्रोत के रूप में करवाया था।

मांडू में 12 प्रवेश द्वारा 45 किलोमीटर की परिधी में निर्मित हैं। जिनमें 'दिल्ली दरवाजा प्रमुख हैं। शैल और चट्टानों से सराबोर मांडू के बारे में यह जानना आवष्यक है कि मालवा के राजपूत परमार षासक भी बाहरी आक्रमण से अपनी रक्षा के लिए मांडू को ही सबसे सुरक्षित जगह मानते थे।

मांडू में देवादिदेव नीलकंठ शिवजी का मंदिर है जिसमें जाने के लिए अंदर सीढ़ी उतरना पड़ता है। इस मंदिर के सौन्दर्य और पेड़ों से घिरे तालाब से एक धार नीचे शिवजी का अभिषेक करती हुई प्रतीत होती है। धार से लगभग 33 और इंदौर से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित मांडवगढ़ (मांडू) पहुंचने के लिए इंदौर व रतलाम निकट के रेल्वे स्टेशन है। बसों से भी मांडू जाया जा सकता है।

वास्तुकला का अनुपम संगम भोजपुर

मध्यप्रदेश की गंगाजमुनी तहजीव से परिपूर्ण राजधानी भोपाल से 32 किलोमीटर दूर 11 वीं सदी के परमारवंशीय राजा भोज प्रथम (ईस्वी 1010-1035) द्वारा बेतवा नदी के किनारे बना उच्च कोटि की वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण है भोजपुर, जिसे भोजेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस पर्यटन स्थल पर स्थापित मंदिर की विशालता का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि इसका चबूतरा 35 मीटर लंबा, 25 मीटर चैड़ा और 4 मीटर ऊंचा है। भारी भरकम पत्थरों से बना यह चबूतरा अपने आप में अद्वितीय है। हजारों टनों की वजनदार अनेक पत्थरों को इस चबूतरे पर चढ़ाकर मंदिर के गर्भगृह का निर्माण किया गया है। मान्यता है कि यहां स्थापित शिवलिंग देश का सबसे ऊंचा शिवलिंग है 26 फीट ऊंचाई के गढ़े हुए गौरी पट्ट पर स्थित शिवलिंग की ऊंचाई साढ़े सात फीट तथा उसकी परिधि 18 फीट है। शिव भक्त ने उक्त मंदिर का निर्माण अपने पिता की स्मृति में करवाया था जिसका डिजाइन 'स्वर्गारोहणप्रसाद कहलाता है। मंदिर से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर जैन मंदिर है। जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं है। 20 फीट ऊंची भगवान महावीर स्थापित है। यहां वर्ष भर श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है। लेकिन महाशिवरात्रि, सावन मास एवं अन्य त्यौहारों पर यहां लगने वाले मैलों में दूरदराज के गांवों से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या देखते ही बनती है। यहां पहुंचने के लिए आवगमन के अनेक साधन उपलब्ध है। यहां देश के किसी भी कोने से हवाई या रेलमार्ग द्वारा भोपाल पहुंच सकते हैं। भोपाल से होषंगाबाद रोड, या मंडीदीप की बस में बैठकर भोजपुर उतरें। एवं वहां से मंदिर पैदल चलें। मंदिर की 5 किलोमीटर परिधि में ठहरने का कोई स्थान नहीं हैं अतः भोपाल ही ठहरने के लिए उपयुक्त स्थान है।

दुनिया का सबसे बड़ा और भारी किडनी स्टोन निकालकर बनाया रिकॉर्ड

कोलंबो । श्रीलंका आर्मी के डॉक्टरों ने दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे भारी किडनी स्टोन को निकालकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। जानकारी के अनुसार कोलंबो आर्मी हॉस्पिटल में जेनिटो यूरिनरी यूनिट के प्रमुख कंसल्टेंट यूरोलॉजिस्ट, लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ) के. सुदर्शन की टीम के मीडिया विभाग ने कहा कि स्टोन लंबाई में 13.372 सेमी और वजन में 801 ग्राम था। मौजूदा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, दुनिया का सबसे बड़ा किडनी स्टोन जो लगभग 13 सेंटीमीटर का था, 2004 में भारत में पाया गया था, जबकि सबसे भारी किडनी स्टोन जिसका वजन 620 ग्राम था, पाकिस्तान में 2008 में दर्ज किया गया था।

इमरान का शाहबाज सरकार से बात करने से इंकार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली संघीय सरकार के साथ बातचीत से इनकार किया है, लेकिन उन्होंने सैन्य प्रतिष्ठान के साथ वार्ता शुरू करने के लिए उत्सुकता दिखाई। कई मामलों के संबंध में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में पेश होने के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष ने कहा कि सत्ताधारी शासकों सहित राजनीतिज्ञ ''शक्तिहीन'' हैं और उनके पास संवाद करने का अधिकार नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इमरान ने पाकिस्तान सरकार के साथ बातचीत से इनकार किया लेकिन वह सैन्य प्रतिष्ठान के साथ बातचीत करने को तैयार हैं।

ईरान के साथ इजरायल नहीं करेगा परमाणु समझौता

यरुशलेम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संसद की एक समिति से कहा है कि ईरान के साथ किसी भी अंतरराष्ट्रीय परमाणु समझौते से इजरायल बाध्य नहीं होगा। संसद की विदेश मामलों और रक्षा समिति में उनकी टिप्पणी मंगलवार को उन मीडिया रिपोर्टों के बीच आई कि अमेरिका मिडिल ईस्ट में इजरायल के कट्टर दुश्मन ईरान के साथ परमाणु समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पीएम नेतन्याहू ने कहा, ईरान के साथ कोई भी समझौता इजरायल पर बाध्यकारी नहीं होगा, जो अपनी रक्षा के लिए खुद ही जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि ईरान इजरायल के विनाश की आकांक्षा रखता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2015 के ईरान परमाणु समझौते के कट्टर विरोधी नेतन्याहू का कहना है कि उभरते हुए नए समझौते से ईरान प्रतिबंध के बिना परमाणु हथियार विकसित करने में सक्षम होगा। मिडिल ईस्ट में नए गठजोड़ बनाने पर रणनीति का जिक्र करते हुए इजरायली नेता ने कहा, हमारी नीति का उद्देश्य ईरान और उसके सहयोगियों को रोकने के लिए शांति का दायरा बढ़ाना है।

यूक्रेन के मिसाइल हमले में रूसी सेना के सीनियर जनरल की मौत

कीव । दक्षिणी जापोरिज्जिया मोर्चे पर यूक्रेन के मिसाइल हमले में एक अनुभवी रूसी जनरल की मौत हो गई। रूसी मीडिया के अनुसार एक युद्ध समर्थक ब्लॉगर ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा, कि दुश्मन के मिसाइल हमले के परिणामस्वरूप 35वीं संयुक्त शस्त्र सेना के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल सर्गेई गोर्याचेव की मौत हो गई। गोर्याचेव, एक सम्मानित कमांडर, पहले मोल्दोवा के ट्रांसनिस्ट्रिया के टूटे हुए क्षेत्र में रूसी सैनिकों का नेतृत्व करता था। यूनाइटेड ग्रुप ऑफ फोर्सेज (एस) के कमांड के प्रतिनिधियों ने कहा ?कि सेना ने आज सबसे प्रतिभाशाली और सबसे प्रभावी सैन्य नेताओं में से एक को खो दिया है। कई रूसी युद्ध ब्लॉगर्स ने कहा कि ब्रिटेन द्वारा आपूर्ति की गई स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइल से गोर्याचेव की हत्या किए जाने का अंदेशा है। हालां?कि गोर्याचेव की कथित मौत पर रूसी रक्षा मंत्रालय ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। माना जाता है कि मॉस्को द्वारा यूक्रेन पर हमले के बाद से जवाबी कार्रवाई में एक दर्जन से अधिक रूसी जनरल मारे जा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जापोरिज्जिया क्षेत्र, जिसका लगभग 80 प्रतिशत रूसी बलों द्वारा नियंत्रित है, को यूक्रेन के जवाबी हमले के मुख्य केंद्रों में से एक माना जाता है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने जर्मन निर्मित तेंदुए के टैंक और अमेरिकी निर्मित ब्रैडली लड़ाकू वाहनों का दावा करने वाले वीडियो फुटेज जारी किए हैं, जिन्हें रूसी सेना ने यूक्रेनी सेना के साथ लड़ाई में पकड़ा था। वीडियो फुटेज का स्थान और समय स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया गया है। टेलीग्राम पर एक संदेश में मंत्रालय ने कहा कि वोस्तोक समूह के उपखंडों के सैनिक युद्ध में पकड़े गए दुश्मन के टैंकों और पैदल सेना से लड़ने वाले वाहनों का निरीक्षण करते हैं। पकड़े गए पश्चिमी देशों में निर्मित उपकरणों में जर्मन टैंक और अमेरिका निर्मित लड़ाकू वाहन बीएमपी ब्रैडली शामिल हैं। कुछ लड़ाकू वाहन, जो युद्ध के लिए तैयार उपकरणों से यूक्रेन के सशस्त्र बलों के लड़ाकू वाहनों के चालक दल की लड़ाई और उड़ान की क्षणभंगुरता को इंगित करते हैं।

खूंखार अमेरिकी महिला ने की पति की हत्या, फिर गूगल पर सर्च की लग्जरी जेल

-जीवन बीमा कंपनियों से मिलने वाले टर्म प्लान को भी किया सर्च

न्यूर्याक । अमेरिकी में एक खूंखार महिला कोरी रिचिंस ने अपने पति को मार डाला, फिर फिर गूगल पर लग्जरी जेल और जीवन बीमा कंपनियों से मिलने वाले टर्म प्लान को सर्च किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तीन बच्चों की मां 33 वर्षीय कोरी रिचिंस ने मार्च 2022 में अपने पति एरिक रिचिन्स को फेंटानाइल जहर देकर उसकी हत्या कर दी थी। इसके बाद उसने गूगल पर लग्जरी जेलों के बारे में जानकारी के लिए सर्च किया। उसने वेब पर यह भी सर्च किया कि जीवन बीमा कंपनियां दावेदारों को भुगतान करने में कितना समय लेती हैं? इतना ही नहीं मर्ड करने के बाद उसने हर ऐसी जानकारी के बारे में सर्च किया जो पुलिस कार्रवाई के दौरान करती है। जैसे कि क्या पुलिस लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने के लिए मजबूर कर सकती है। इसका खुलासा उस समय हुआ जब अदालत में सुनवाई के दौरान इन सारे दस्तावेजों को पेश किया गया। हालांकि आरोपी कोरी हिरासत में है। इन सबूतों के आधार पर कोर्ट में न्यायाधीश ने इसे समाज के लिए खतरा बताया और उन्हें जेल में ही रहने का आदेश दिया। जानकारी के अनुसार कोरी ने अपने पति की याद में बच्चों के लिए एक किताब भी लिखी थी जिसका नाम है आर यू विद मी? उल्लेखनीय है कि साल 2022 के मार्च महीने में कोरी ने खुद ही पुलिस को देर रात अपने पति के मरने की खबर दी थी, जिसके बाद पुलिस ने जांच की तो पता लगा कि रात के खाने में महिला ने अपने पति को फेंटेनाइल नाम की दवाई दी जो ओवरडोज होने के चलते उसके पति की मौत हो गई।

सेना और सरकार के उनकी हत्या में शामिल होने का कोई सबूत नहीं दे सके इमरान : सनाउल्लाह

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की शाहबाज सरकार में गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने संयुक्त जांच दल (जेआईटी) के सामने कबूल किया था कि उनके पास हत्या की साजिश को लेकर सेना और सरकार पर लगाए आरोपों के समर्थन में कोई सबूत नहीं है। सनाउल्लाह ने कहा कि खान को इस्लामाबाद के रमना पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले की जांच में शामिल किया गया था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख ने सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री पर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा, जेआईटी ने पीटीआई प्रमुख को एक वीडियो दिखाया और उन्होंने स्वीकार किया कि यह उनकी अपनी आवाज थी। जांच के दौरान, उन्होंने स्वीकार किया कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और थलसेनाध्यक्ष के खिलाफ उनके सभी बयान निराधार थे कि वे उन्हें मारना चाहते थे। जब पीटीआई प्रमुख को जेआईटी द्वारा उनके खिलाफ प्राथमिकी दिखाई गई, तब वह वीडियो क्लिप में लगाए गए आरोपों के समर्थन में कोई सबूत नहीं दे पाए। मंत्री सनाउल्लाह ने कहा, जब जेआईटी ने उनसे और पूछताछ की, तब खान ने जवाब दिया कि किसी ने उन्हें साजिश में उनके शामिल होने के बारे में बताया था। फिर पीटीआई अध्यक्ष से पूछा गया कि आपको किसने बताया तब इमरान ने जवाब दिया कि उन्हें याद नहीं है। जेआईटी ने पूछा कि उन्होंने अपने वीडियो में आईएसआई के डीजी का नाम क्यों लिया और सवाल किया कि क्या वह एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी से मिले थे, जिसे उन्होंने डर्टी हैरी कहा था।

जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे में चीनी डॉक्टरों ने एक सहायतार्थ कार्यक्रम के तहत गरीब और अनाथ बच्चों का मुफ्त इलाज किया। इस कार्यक्रम का आयोजन चीनी दूतावास ने किया।

ट्रंप ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को नकारा

मियामी । अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप संघीय आरोपों को लेकर किसी न्यायाधीश के समक्ष सुनवाई का सामना करने वाले देश के पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए। उन्होंने मियामी के अदालत कक्ष में गोपनीय दस्तावेजों को अवैध तरीके से अपने पास रखने और सरकार के अनुरोध के बावजूद उन्हें लौटाने से इनकार करने के आरोपों को नकार दिया। ट्रंप को गोपनीय दस्तावेज रखने संबंधी मामले में अभ्यारोपित किया गया है। यह मामला फ्लोरिडा स्थित ट्रंप के आवास से सैकड़ों गोपनीय दस्तावेज बरामद होने से जुड़ा है। मामले में दोषी करार होने की सूरत में ट्रंप को एक साल की जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है। मामले की सुनवाई फिर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने की ट्रंप की इच्छा के आड़े भी आ सकती है। इससे न सिर्फ उनके राजनीतिक भविष्य पर, बल्कि उनकी व्यक्तिगत आजादी पर भी असर पड़ सकता है। ट्रंप के खिलाफ अभियोग को गत शुक्रवार को सार्वजनिक किया गया था, लेकिन ट्रंप ने जरा भी तव्वजो नहीं देकर अपना प्रचार जारी रखा था और इस बात से इनकार किया था कि उन्होंने कुछ भी गलत किया है। हालांकि, अदालत कक्ष में ट्रंप का बर्ताव इससे ठीक उलट दिखाई दिया। वह हाथ बांधे हुए शांत बैठे थे। वकील ने उनकी ओर से आरोपों को ठुकराने संबंधी याचिका दाखिल की और अदालत की कार्यवाही उनका पासपोर्ट जमा कराए बिना या उन पर यात्रा संबंधी प्रतिबंध लगाए बिना ही समाप्त हो गई। अभियोजक डेविड हारबैच ने कहा कि ट्रंप को पूर्व राष्ट्रपति के उनके पद को देखकर यह छूट दी गई है। मजिस्ट्रेट जज ने ट्रंप से मामले में किसी भी गवाह से बात न करने को कहा, जिनमें वाल्ट नाउटा भी शामिल हैं। नाउटा ट्रंप के करीबी हैं, और उन्हें पूर्व राष्ट्रपति के निर्देश पर दस्तावेजों से भरे बक्सों को हटाने और संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) को गुमराह करने के लिए पिछले सप्ताह ही अभ्यारोपित किया गया है। मजिस्ट्रेट जज ने हालांकि कहा कि ट्रंप काम के सिलसिले में नाउटा से बातचीत कर सकते हैं।

भारत-अमेरिका जैसी भागीदारी और देखने को नहीं मिलेगी : संधू

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। भारत-अमेरिका संबंधों को भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने एक ऐसी भागीदारी बताया है, जो और देखने को नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास आवश्यक पूंजी और प्रौद्योगिकी है जबकि भारत के पास पैमाना और प्रतिभा दोनों है, जिसकी वजह से कोई भी इनपर दांव लगा सकता है। संधू ने अमेरिका भारत व्यापार परिषद के सालाना भारत विचार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''भारत-अमेरिका संबंधों के लिए एक 'टैगलाइन', जो मुझे सबसे अधिक पसंद है, वह है 'ऐसी भागीदारी, जो और देखने को नहीं मिलेगी।' आप सोच सकते हैं कि अच्छे राजनयिक हर रिश्ते के बारे में यही कहते हैं।

मेरा विश्वास करें- यह अद्वितीय है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास आवश्यक पूंजी और प्रौद्योगिकी है, जबकि हम पैमाने और प्रतिभा दोनों

की पेशकश करते हैं। यह ऐसा 'स्टॉक' है जिसपर कोई भी दांव लगा सकता है। पिछले छह महीनों में द्विपक्षीय गतिविधियों में काफी सुगबुगाहट रही है। संधू ने कहा, ''आप कोई भी दिन लें, अमेरिका में भारत का एक प्रतिनिधिमंडल है या भारत में कोई अमेरिकी गया हुआ है। यहां तक कि जब मैं यह बात बोल रहा हूं, राष्ट्रीय सुरक्षासलाहकार (एनएसए) जैक सुलिवन नयी दिल्ली में हैं।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को लेकर भारत के रुख से नाराज दो अमेरिकी सीनेटर

वाशिंगटन । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माह के अंत में होने वाली राजकीय यात्रा से पहले, वरिष्ठ अमेरिकी सीनेटरों की एक द्विदलीय जोड़ी ने निराशा व्यक्त की है कि भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को स्वीकार कर लिया है और रूस के इस कदम खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया। डेमोक्रेट सीनेटर मार्क वार्नर और रिपब्लिकन जॉन कॉर्निन सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष व समूह के सह-संस्थापक हैं। उनकी उपरोक्त टिप्पणी यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल के वार्षिक भारत विचार शिखर सम्मेलन में आई, जो दोनों देशों के बीच बढ़ती आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी का जश्न मना रहा है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शिखर सम्मेलन की शुरुआत की। वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने मंगलवार को शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। दोनों सीनेटर आम तौर पर भारत के साथ संबंधों के बारे में आशावादी हैं। हालांकि उनकी टिप्पणियों को प्रशासन या अमेरिकी कांग्रेस या अमेरिकी चैंबर का समर्थन नहीं मिला। सीनेटर कोर्निन ने कहा, यह थोड़ा निराशाजनक है कि जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया, तब भारत ने पास ले लिया, हालांकि उन्होंने कहा कि वह समझते हैं कि भारत ने ऐसा रूसी हथियार पर निर्भरता के कारण किया। साथ ही, उन्होंने स्वीकार किया कि भारत रीसेट बटन दबाकर रातों-रात 50 वर्षों के इतिहास को बदल नहीं सकता है। सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी के प्रमुख सीनेटर वार्नर ने कहा, तथ्य यह है कि भारत वास्तव में महान दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रों में से एक के रूप में आ गया है और अब वे इसतरह के मामलों की लंबे समय तक अनदेखी नहीं कर सकते।

कराची से कुछ दूर ही है तूफान, पाकिस्तान में 1 लाख लोगों को सेना ने हटाया

कराची (एजेंसी)। चक्रवाती समुद्री तूफान विपरजॉय अब कराची से मात्र कुछ सौ किलोमीटर की दूरी पर है। अरब सागर में उठे इस तूफान के कहर से बचाने के लिए पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों से करीब 1 लाख लोगों को हटाया जा रहा है। पाकिस्तान के मौसम विभाग ने कहा है कि यह तूफान कमजोर पड़ गया है लेकिन अब यह बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इस चेतावनी में कहा गया है कि चक्रवाती तूफान अब कराची से मात्र 470 किमी की दूरी पर है। यह तूफान अगले कुछ घंटों में पाकिस्तान केटी बंदर और भारतीय राज्य गुजरात के तट से टकरा सकता है। प्रभावित इलाकों में पाकिस्तानी सेना को तैनात किया गया है। समस्या को देखते हुए पाकिस्तान की मंत्री शेरी रहमान ने कहा है कि कराची में 113 मिलीमीटर बारिश का अनुमान है। उन्होंने कराची के लोगों से अपील की है कि वे चेतावनी को बिना दहशत में आए गंभीरता से लें। पाकिस्तानी मौसम विभाग ने कहा कि 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। यही नहीं समुद्र में 30 फुट ऊंची लहरें उठ सकती हैं। वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर कहा जा सकता है कि यह तूफान अब उत्तर की ओर बढ़ रहा है।

पाकिस्तानी मौसम विभाग ने कहा कि 15 जून को बहुत तेज तूफान पाकिस्तानी और भारतीय इलाके में आ सकता है। इस दौरान 140 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। वहीं धीरे-धीरे चक्रवात का असर अब कराची में दिखना शुरू हो गया है, समुद्र का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। अब तक 6 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित इलाकों में पहुंचाया जा चुका है। इस बीच पाकिस्तान सेना के कराची के कोर कमांडर ने आपात बैठक की है। इस बैठक में सेना के अलावा नागरिक प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। पाकिस्तान की सेना ने आदेश दिया है कि इस तूफान से निपटने के हर संभव उपाय किए जाएं। इस बीच पाकिस्तानी सेना के जवान विभिन्न इलाकों में तैनात कर दिए गए हैं। सेना ने कहा है कि किसी भी परिस्थिति में लोगों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। समुद्र तटीय इलाकों से लोगों को निकालने का क्रम युद्धस्तर पर जारी है। हजारों की तादाद में परिवार अभी भी अपने घरों में फंसे हुए हैं।

300 मेहमानों से भरी नाव बीच नदी में डूबी, 100 लोगों की मौत का अनुमान

अबुजा (एजेंसी)। नाइजीरिया में एक नाव के नदी में डूबने से सैकड़ों लोग काल के गाल में समा गए। जानकारी के अनुसार यहां मंगलवार को एक बड़ा हादसा हुआ है। पुलिस और स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि उत्तर मध्य नाइजीरिया में शादी से लौट रहे 300 लोगों को ले जा रही एक नाव नदी में डूब गई। बताया जा रहा है कि इस घटना में 100 से अधिक लोग डूब गए हैं और कई लापता हैं। हालांकि अधिकारियों की मानें तो मरने वालों की संख्या में अभी और इजाफा होने की आशंका है। इस समय यहां पर बचावकर्मियों का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शादी समारोह नाइजर राज्य में हो रहा था। नाव शादी से मेहमानों को लेकर क्वारा राज्य में जा रही थी। बारिश और ज्यादा लोगों की वजह से नाव ओवरलोडिंग हो गई थी। क्वारा राज्य के पुलिस ओकासनमी अजय ने बताया कि अभी तक नाव दुर्घटना में 103 लोगों की मौत हुई है और 100 से अधिक लोगों को बचाया गया है। गौरतलब है कि नाइजर नदी में सुरक्षा प्रक्रियाओं की कमी और भारी बाढ़ के कारण डूबना आम बात है। पिछले महीने भी एक नाव उत्तर-पश्चिम सोकोटो राज्य में पलट गई थी। इस हादसे में 15 बच्चे डूब गए थे और 25 अन्य लापता हो गए थे। लगभग एक साल पहले, एक गांव के 29 बच्चे भी उसी नदी में डूब गए थे, जब वे अपने परिवारों के लिए जलाने वाली लकड़ियां इकट्ठा करने गए थे। पिछले दिसंबर में बरसात के मौसम में बड़े पैमाने पर बाढ़ के दौरान, कम से कम 76 लोग डूब गए थे, जब उनकी नाव दक्षिण पूर्व अंबरा राज्य में एक उफनती नदी में डूब गई थी। नाइजर नदी पश्चिम अफ्रीका का मुख्य जलमार्ग है। यह कुछ देशों के लिए एक प्रमुख स्थानीय व्यापार मार्ग भी है। नाइजीरिया के राष्ट्रीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ने दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नदियों पर रात के समय नौकायन पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की है और कहा है कि जहाजों को ओवरलोड करना एक आपराधिक अपराध है, लेकिन कप्तान और चालक दल अक्सर नियमों की अनदेखी करते हैं। जिसके कारण ये घटनाएं हो रही हैं।

ग्लोबल वार्मिंक का असर गेहूं उत्पादन पर भी

-ताजा अध्ययन के बाद वैज्ञानिकों ने किया दावा

लंदन (एजेंसी)। एक ताजा अध्ययन में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया में वैश्विक खाद्य आपूर्ति साथ ही गेहूं उत्पादन के पर भी बहुत ज्यादा विपरीत असर पड़ेगा। टफ्ट्स यूनिवर्टी के फ्लयडमैन स्कूल ऑफ न्यूट्रीशन साइंस एंड पॉलिसी की एक समर्पित टीम की अगुआई में हुए अध्ययन में इस मुद्दे ने ध्यान खींचने का काम किया है।

अध्ययन में साफ बताया गया है कि इस बात की संभावना अधिक हो गई कि चरम तापमान फसलों की पैदावार को बुरी तरह से प्रभावित कर सकते हैं।अध्ययन में साफ तौर पर कहा गया है कि भारत और चीन जैसे गेहूं उत्पादक देशों पर इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा। अध्ययन के प्रमुख लेखक एरीन कॉगलेन डि पेरेज का कहना है कि जिस तरह की ग्रीष्म लहरें 1981 में चली थीं जो पहले हर सौ सालों में एक बार देखने को मिलती थीं, ज्यादा दिखेंगी।एरीन ने बताती है कि इस तरह की ग्रीष्म लहरें मध्य पश्चिमी अमेरिका में हर छह साल में और उत्तर पूर्वी चीन में हर 16 साल में देखने को मिलेंगी। ये ऐसे हालात का अनुमान हैं जिनके लिए हमें तैयारी करनी होगी। जबकि अभी तो हमने उन्हें अनुभव भी नहीं किया है। ऐतिहासिक रिकॉर्ड अब बिलकुल ऐसा नहीं रह गया है जो भविष्य की स्थिति बता सके।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि हम बदली हुई जलवायु में रह रहे हैं और लोग आज के चरम घटनाओं की संभावनाओं के हलके में ले रहे हैं। यह शोध इस तथ्य के आधार पर किया गया है जिसमें इंटरगवर्मेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज के मुताबिक 1850 और 1900 के बीच की तुलना में पिछले दशक में औसत वैश्विक सतही तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था।शोधकर्ताओं ने अध्ययन मे उन आंकड़ों का अध्ययन किया जो पिछले 40 सालों में मौसम के पूर्वानुमानों के लिए जुटाए गए थे। इसने तापमान और बारिश में विविधता के हजारों अनुमान लगाए गए थे। इन आंकड़ों और वास्तविक नतीजों के विश्लेषण से शोधकर्ताओं ने इस बात की संभावना का पता लगाया कि चरम तापमान के बार बार आने से गेहूं की वृद्धि पर क्या असर होता है।

अध्ययन मे इस बात पर विशेष ध्यान दिलाने का प्रयास किया है कि गेंहू सर्दियों की फसल है और 27.8 डिग्री सेल्सियस से अधिक का तापमान में फसल दबाव में आ जाती है और 32.8 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा के तापमान में एनजाइम गेहूं को खराब करने लगते हैं। लेकिन शोध ने खुलासा किया है कि जिस तरह से चरम तापमान बार बार आ रहे हैं गेहूं की फसल को खासा नुकासान होगा। हालात और खराब करने के लिए चरम तापमान के साथ रिकॉर्ड तोड़ सूखे के हालात भी देखने को मिल रहे हैं। इन दोनों प्रभावों से पैदावारों में खासी कमी देखने को मिलेगी। अमेरिका और चीन दुनिया के सबसे बड़े अनाज उत्पादक देश हैं। यहां लगातार फसलों के खराब होने का सीधा असर वैश्विक खाद्य कीमतों और आपूर्ति पर पड़ेगा। लेकिन जिस तरह से हालात लगातार बदतर हो रहे हैं। हमें विपरीत हालात का इंतजार करने की जगह उनसे निपटने की तैयारी करनी होगी। बता दें कि ग्लोबल वार्मिंग का मतलब केवल गर्मी के मौसम में ज्यादा तापमान ही नहीं है। बल्कि इससे पूरे साल भर के मौसम में बदलाव आने के साथ सूखा, बाढ़, भीषण ग्रीष्म लहरें जैसी चरम मौसमी घटनाएं भी देखने को मिलती हैं। इस तरह से जलवायु में समग्र बदलाव को जलवायु परिवर्तन के नाम से जाना जाता है जिसका ग्लोबल वार्मिंग केवल एक पहलू मात्र है। लेकिन इनके नतीजे बड़े व्यापक है और इनमें से एक है और एक बड़ा असर है हमारी खाद्य आपूर्ति पर असर।

300 मेहमानों से भरी नाव बीच नदी में डूबी, 100 लोगों की मौत का अनुमान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अबुजा (ईएमएस)। नाइजीरिया में एक नाव के नदी में डूबने से सैकड़ों लोग काल के गाल में समा गए। जानकारी के अनुसार यहां मंगलवार को एक बड़ा हादसा हुआ है। पुलिस और स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि उत्तर मध्य नाइजीरिया में शादी से लौट रहे 300 लोगों को ले जा रही एक नाव नदी में डूब गई। बताया जा रहा है कि इस घटना में 100 से अधिक लोग डूब गए हैं और कई लापता हैं। हालां?कि अधिकारियों की मानें तो मरने वालों की संख्या में अभी और इजाफा होने की आशंका है। इस समय यहां पर बचावकर्मियों का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शादी समारोह नाइजर राज्य में हो रहा था। नाव शादी से मेहमानों को लेकर क्वारा राज्य में जा रही थी। बारिश और ज्यादा लोगों की वजह से नाव ओवरलोडिंग हो गई थी। क्वारा राज्य के पुलिस ओकासनमी अजय ने बताया कि अभी तक नाव दुर्घटना में 103 लोगों की मौत हुई है और 100 से अधिक लोगों को बचाया गया है। गौरतलब है ?कि नाइजर नदी में सुरक्षा प्रक्रियाओं की कमी और भारी बाढ़ के कारण डूबना आम बात है। पिछले महीने भी एक नाव उत्तर-पश्चिम सोकोटो राज्य में पलट गई थी। इस हादसे में 15 बच्चे डूब गए थे और 25 अन्य लापता हो गए थे।

लगभग एक साल पहले, एक गांव के 29 बच्चे भी उसी नदी में डूब गए थे, जब वे अपने परिवारों के लिए जलाने वाली लकड़ियां इकट्ठा करने गए थे। पिछले दिसंबर में बरसात के मौसम में बड़े पैमाने पर बाढ़ के दौरान, कम से कम 76 लोग डूब गए थे, जब उनकी नाव दक्षिण पूर्व अंबरा राज्य में एक उफनती नदी में डूब गई थी। नाइजर नदी पश्चिम अफ्रीका का मुख्य जलमार्ग है। यह कुछ देशों के लिए एक प्रमुख स्थानीय व्यापार मार्ग भी है। नाइजीरिया के राष्ट्रीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ने दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नदियों पर रात के समय नौकायन पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की है और कहा है कि जहाजों को ओवरलोड करना एक आपराधिक अपराध है, लेकिन कप्तान और चालक दल अक्सर नियमों की अनदेखी करते हैं। जिसके कारण ये घटनाएं हो रही हैं।

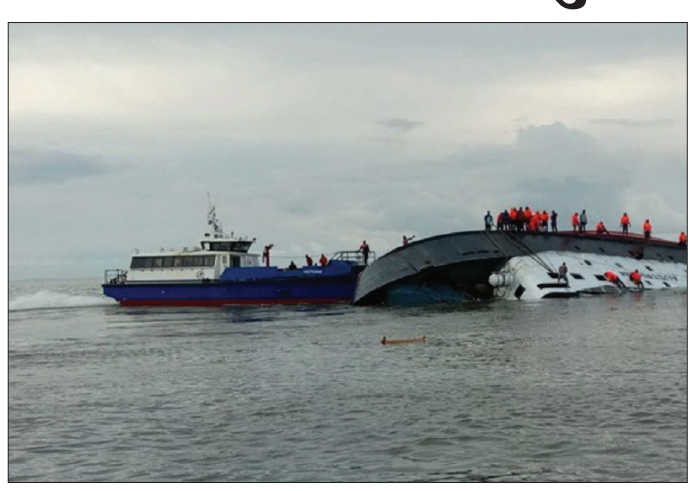

जम्मू-कश्मीर में फिर से भूकंप के झटके महसूस हुए

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर में मंगलवार-बुधवार की रात को फिर से भूकंप के झटके महसूस हुए। ये भूकंप रात 2.20 बजे आया और इन झटकों की तीव्रता 4.3 थी। राज्य में 12 घंटे में दूसरी बार धरती भूकंप के झटकों से हिली है। इसके पहले मंगलवार दोपहर 1.30 बजे भूकंप के झटके महसूस हुए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि मंगलवार को दोपहर 1 बजकर 33 मिनट पर 5.4 तीव्रता का भूकंप आया जिसका केंद्र छह किलोमीटर की गहराई में था। अधिकारियों ने बताया कि डोडा जिले में दो बच्चों सहित पांच लोगों को मामूली चोटें आईं है। जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने बताया कि भूकंप से कई इमारतों में दरारें आ गई हैं। उन्होंने बताया कि डोडा, भद्रवाह और गंडोह में भूकंप के झटके के कारण सैकड़ों इमारतों में दरारें आ गईं। एक अधिकारी ने बताया कि भद्रवाह के एक अनुमंडल अस्पताल के एक वार्ड की फॉल्स सीलिंग गिर गई, जिससे एक मरीज और एक महिला कर्मचारी घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि कुछ मलबा अस्पताल के वार्ड में भर्ती मरीजों पर गिर गया। उन्होंने बताया कि मरीजों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है और उनका अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि भद्रवाह में एक सरकारी कर्मचारी के ऊपर उसके कार्यालय की इमारत का प्लास्टर गिर जाने से भी चोटें आईं। भद्रवाह निवासी अजीम मलिक ने बताया कि भूकंप के झटकों से उसका मकान क्षतिग्रस्त हो गया। डोडा के उपायुक्त विशेष पॉल महाजन ने बताया कि एक स्कूल में दो बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। घबराए स्कूली छात्र भद्रवाह घाटी के खेतों में एकत्र हो गए और शिक्षकों को रो रहे छात्रों को तसल्ली देते और समझाते देखा गया।

बैंकों मे बड़ी संख्या में मंदिरों से जमा हो रहे हैं 2000 के नोट

नई दिल्ली । मंदिरों द्वारा बैंक में जो राशि जमा की जा रही है। उसमें अधिकांश नोट 2000 रूपये के हैं। भक्त अब जो भी दान कर रहे हैं। उसमें 2000 रूपये के नोट से ही दान कर रहे हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार 23 मई से 30 सितंबर तक 2000 रूपये के नोटों को खाते में जमा किया जा सकता है। इस दौरान मंदिरों से जो राशि जमा हो रही है। उसमें 2000 रूपये के नोट अधिक होने से बैंकों को भी आश्चर्य हो रहा है।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने की अलीगढ़ का नाम हरीगढ़ करने की मांग

अलीगढ़ । बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र मोहन शास्त्री ने यूपी के अलीगढ़ जिले का नाम बदलकर हरिगढ़ करने की मांग की है। उन्होंने सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ से अलीगढ़ का नाम बदलने की डिमांड की है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान के बाद जिले के युवाओं में भी जोश देखने को मिल रहा है। उनका कहना है कि वह अलीगढ़ का नाम परिवर्तन करने की काफी लंबे समय से मांग कर रहे थे। अब प्रख्यात कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री ने भी उनकी मांग का समर्थन किया है। दरअसल, अलीगढ़ महानगर के हरदासपुर स्थित 108 कुंडीय महायज्ञ और भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में प्रख्यात कथावाचक धीरेंद्र मोहन शास्त्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शिरकत की। इस दौरान उन्होंने एक बड़ा बयान दिया, जिसमें कहा कि अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ हो जाएगा तब वह यहां आएंगे। जिसे लेकर अलीगढ़ महानगर में विभिन्न प्रकार की चर्चाएं देखने और सुनने को मिल रही हैं। वहीं कुछ युवाओं का कहना है कि अलीगढ़ का नाम कभी भी अलीगढ़ नहीं था, लेकिन कुछ आताताइयों ने अपने कार्यकाल के दौरान इसका नाम अलीगढ़ कर दिया। भाजपा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ को धीरेंद्र मोहन शास्त्री के इस बयान का संज्ञान लेना चाहिए और अलीगढ़ का नाम हरीगढ़ कर देना चाहिए। जिससे शहर का नाम लेने में अच्छा प्रतीत हो, क्योंकि जब नाम लेता है आदमी तो हरि का नाम उसमें छोड़ जाता है। इसलिए अलीगढ़ का नाम हटाकर उसे हरिगढ़ कर देना चाहिए। उधर अलीगढ़ के धर्मगुरु मुफ़्ती जाहद अली खान ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग देश को बर्बादी के रास्ते पर ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुल्क सबका है। इसमें कुछ हिस्सा मुसलामानों का भी है। यह पहले भी रहा है और आगे भी रहेगा। देश पार्टनरशिप के हिसाब से चलना चाहिए। अगर कोई मुसलामानों का नाम मिटाना चाहता है तो मिटा दीजिए। जब सत्ता बदलेगी तो कोई उनका नाम हटा देगा। देश गृह युद्ध की तरफ जा रहा है।

बिपरजॉय तूफान के असर से समंदर में आया उफान, समुद्र तट से दूर रहने की चेतावनी

मुंबई, । भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक आज 15 जून को बिपरजॉय तूफान भारत के गुजरात और पाकिस्तान के समुद्र तटीय इलाकों से टकराने वाला है. इस वजह से रेल विभाग ने 13 से 15 जून के दौरान 67 से ज्यादा ट्रेनें रद्द कर दी हैं. बिपरजॉय तूफान का असर मुंबई के समुद्र तटीय इलाकों में भी दिखाई दे रहा है. इन समुद्री किनारों के पास लहरों में उफान दिखाई दे रही है. मौसम विभाग ने मुंबई और इसके आस-पास के इलाकों में तेज हवाएं चलने और मध्यम से जोरदार बारिश होने का अनुमान जताया है. वहीं मुंबई के समुद्री किनारों में हाई टाइड पैदा हो गया है. आज गुरुवार को जब यह तूफान समुद्री किनारों से टकराएगा, तब 125 से 135 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी. भले ही मौसम विभाग ने अरब सागर में तैयार हुए इस तूफान की तीव्रता कम होती हुई बताई है, लेकिन इसका असर मुंबई के समुद्री इलाकों में दिख रहा है जहां ऊंची-ऊंची लहरें उठती हुई दिखाई दे रही हैं. समुद्री किनारों पर जाने से बचने की सलाह दी गई है. मुंबई के जुहू चौपाटी में कल ही तैरने गए 8 लड़कों में से 4 की मौत हो चुकी है. इन्हें समंदर में अचानक ऊंची उठी लहरों का अंदाज नहीं रहा और वे गहरे पानी में चले गए जिससे उनकी मौत हो गई. बिपरजॉय चक्रवातीय तूफान के खतरों को देखते हुए मुंबई महानगरपालिका का आपातकालीन विभाग अलर्ट मोड पर है.

आरसीसी सड़क में आई दरार, धमाके के साथ फटकर ऊपर उठी सड़क

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद जिले में आरसीसी सड़क के फटने से जोरदार धमाका हुआ। इसके बाद सड़क फटकर ऊपर आ गई है। हालांकि इससे कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। जानकारी के अनुसार फरीदाबाद के सेक्टर-15 स्थित मकान नंबर 893 के पास मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे लोगों को धमाके की आवाज सुनाई दी। लोग घर से बाहर निकले तो देखा यहां बनी सीमेंटिड सड़क फटकर ऊपर उठ चुकी थी। गनीमत रही कि इस वक्त रास्ते से कोई पैदल व्यक्ति या वाहन नहीं गुजर रहा था। ऐसा होता तो दुर्घटना हो सकती थी। लोगों ने इसकी शिकायत नगर निगम से की है, ताकि सड़क को दुरुस्त किया जा सके। एक्सपर्ट का कहना है कि सीमेंटिड सड़क में गैस बनती है। गैस निकलने के लिए जगह नहीं मिलेगी तो ऐसा हादसा होता है। वहीं, कार एक्सपर्ट आशीष का कहना है कि गर्मी में ऐसे हादसों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी सड़कों पर गाड़ी पार्क करने से बचना चाहिए। ऐसे हादसों में गाड़ी को नुकसान पहुंच सकता है। यहां रहने वाले डॉ सुरेश अरोड़ा ने बताया कि दोपहर में तेज गर्मी थी और हवा चल रही थी। इसी दौरान घर के बाहर से तेज आवाज आई। इस आवाज का पता लगाने के लिए जब घर से बाहर निकले तो देखा कि सीमेंटिड सड़क उखड़ कर ऊपर उठ चुकी है। रिटायर्ड इंजीनियर रमेश कुमार ने बताया कि सीमेंटिड सड़क नई बनाई जाती है तो उसके बीच में चार मीटर की दूरी पर कट लगाना जरूरी है। 30 एमएम की मोटी सड़क बनाई गई है तो उसमें साढ़े तीन इंच गहरा कट लगाया जाता है। गर्मियों के सीजन में सीमेंटिड सड़कों में गैस बनती है। गैस निकलने के लिए जगह नहीं मिलेगी तो ब्लास्ट के साथ रोड उखड़ जाती है। संबंधित विभागों को चाहिए कि वह ऐसी सड़कों की तलाश कर कट को दुरुस्त करे। कई बार ये कट मिट्टी के कारण बंद भी हो जाते हैं। इसलिए रखरखाव होना चाहिए।

अमित शाह ने रद्द किया तेलंगाना दौरा, गुजरात के लिए हो सकते हैं रवाना

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का तेलंगाना दौरा रद्द कर दिया गया है। अमित शाह खुद चक्रवात की स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। गुजरात पर बिपारजॉय चक्रवात का प्रभाव अधिक है। इस वजह से उनका तेलंगाना दौरा रद्द कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि चक्रवात बिपारजॉय के कारण अमित शाह की स्थिति की समीक्षा करने की आवश्यकता के कारण उनकीकी तेलंगाना यात्रा रद्द कर दी गई है।

''विपक्षी दल की बैठक से बौखलाहट में बीजेपी', डीएमके ने कहा- सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी को प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार कर लिया। इसको लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। बालाजी तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन नीत सरकार में केंद्रीय एजेंसी की इस तरह की कार्रवाई का सामना करने वाले पहले मंत्री हैं। यही कारण है कि इसको लेकर डीएमके और विपक्षी दल भाजपा पर हमलावर है। डीएमके ने साफ तौर पर सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी को लोकतंत्र की हत्या बताया है।

डीएमके का भाजपा पर निशाना

तमिलनाडु के मंत्री मा सुब्रमण्यन ने कहा कि सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या है। यह संसद चुनाव से पहले डीएमके को घेरने के लिए किया गया है। उन्होंने दावा किया कि गिरफ्तारी में किसी भी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। भाजपा एक नकली कहानी बनाने की कोशिश कर रही है कि डीएमके एक भ्रष्ट पार्टी है। वे ईडी जैसी संस्थाओं की मदद से ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पटना में संयुक्त विपक्षी दल की बैठक हो रही है। बीजेपी बौखलाहट में ऐसा कर रही है।

अन्नामलाई पर हमला

मा सुब्रमण्यन ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अरावकुरिची में अन्नामलाई पिछला विधानसभा चुनाव हार गए थे। तमिलनाडु के लोग राज्य में कभी भी भाजपा को स्वीकार नहीं करेंगे। लेकिन अन्नामलाई ने सोचा कि सेंथिल बालाजी उनके नुकसान का कारण थे। वह अब उससे बदला ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री सेंथिल बालाजी को पश्चिमी तमिलनाडु में डीएमके की भारी जीत का कारण बताया गया। स्थानीय निकाय चुनाव में भी उनकी अहम भूमिका रही। इस डर से कि अगर सेंथिल बालाजी संसद चुनाव में काम करते हैं तो उन्हें (बीजेपी) नोटा से कम वोट मिलेंगे, वे उन्हें निशाना बना रहे हैं।

उत्तराखंड में 20 दिन से सांप्रदायिक तनाव, पलायन को मजबूर मुसलमान

-नाबालिग लड़की को भगाकर ले जाने के मामले में उपजा विवाद

उत्तरकाशी। उत्तराखंड की शांत वादियों में इन दिनों सांप्रदायिकता का शोर है। पिछले करीब 20 दिन से उत्तरकाशी में टेंशन बरकरार है। एक हिंदू नाबालिग लड़की को भगाने की कोशिश के बाद उपजा विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा है। हिंदूवादी संगठनों की ओर से दी गई धमकी के बाद उत्तरकाशी के पुरोला में जहां मुसलमानों की दुकानें बंद हैं तो कई लोग पलायन कर चुके हैं। इस बीच दोनों तरफ से मुद्दे को तूल देने की कोशिश भी चल रही है। विहिप और बजरंग दल ने 15 जून को महापंचायत का ऐलान किया है तो मुस्लिम समुदाय भी 18 जून को जवाबी महापंचायत की तैयारी में है। हालांकि, स्थानीय प्रशासन ने महापंचायत की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। प्रशासन ने 15 जून को पुरोला में धारा 144 लागू करने की बात कही है। सुरक्षा के लिए पीएसी की एक कंपनी भी बुलाई गई है। उत्तरकाशी के पुरोला में 26 मई को हिंदू समुदाय की एक नाबालिग लड़की को भगाने के प्रयास का मामला सामने आया। आरोपी मुस्लिम समुदाय से थे। इसके बाद तनाव उस वक्त बढ़ गया, जब मुस्लिम व्यापारियों को दुकानें छोड़ने की चेतावनी दी गई। उनकी दुकानों पर धमकी भरे पोस्टर चिपका दिए गए। डर के माहौल में तब से ही मुसलमानों की दुकानें बंद हैं। अब तक करीब 12 व्यापारी पलायन भी कर चुके हैं, जिनमें बीजेपी के अल्पसंख्यक नेता भी शामिल हैं। स्थानीय प्रशासन के तमाम प्रयासों के बाद भी दुकानें नहीं खुल पाई हैं। पुरोला में उपजे विवाद को लेकर पूर्व नौकरशाहों ने मुख्य सचिव और डीजीपी को एक खुला पत्र लिखा है। राज्य में पैदा स्थिति पर तत्काल कार्रवाई का अनुरोध किया है।

राज्यसभा के दिग्गज मंत्रियों को चुनावी अखाड़े में उतारेगी भाजपा

- ड्राई जोन में भी कमल खिलाने की तैयारी में भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में होने वाला है, भाजपा ने अभी से जोर-आजमाइश शुरू कर दी है। अब उन मंत्रियों को भी चुनाव में उतारने की तैयारी है, जो अब तक राज्यसभा का हिस्सा रहे हैं। इन मंत्रियों में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जैसे चेहरे शामिल हैं। दोनों ही राज्यसभा से आते हैं और अब तक चुनावी राजनीति का अनुभव नहीं रहा है, लेकिन तमिलनाडु में संभावनाएं टटोलने के लिए भाजपा इन्हें चुनाव में उतारना चाहती है। निर्मला और जयशंकर दोनों का ही तमिलनाडु से कनेक्शन रहा है। यहां भाजपा अब तक अपनी मौजूदगी दर्ज नहीं करा सकी है। ऐसे में बड़े चेहरे उतारकर मुकाबले की कोशिश करेगी।

निर्मला सीतारमण का जन्म तमिलनाडु में हुआ था और जयशंकर यहीं के हैं, लेकिन दिल्ली में रहते हैं। भाजपा दोनों नेताओं को तमिलनाडु में उतारने को लेकर कितना गंभीर है, इसे इससे भी समझा सकता है कि जब पीएम नरेंद्र मोदी को तमिलनाडु से आए अधीनम संतों ने सेंगोल प्रदान किया था तो वह मौके पर थीं। इसकी वजह यही थी कि भाजपा उनका तमिलनाडु कनेक्शन सामने रखना चाहती है। इन दोनों नेताओं के अलावा धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और मनसुख मांडविया को भी उतारा जा सकता है। ये तीनों ही मंत्री अब तक राज्यसभा के ही मेंबर रहे हैं। इनके अलावा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और ज्योतिरादित्य सिंधिया भी कैबिनेट में हैं, लेकिन राज्यसभा के मेंबर हैं।

भाजपा सूत्रों के हवाले से खबर है कि इन लोगों को भी उतारा जा सकता है। सिंधिया तो ग्वालियर सीट से ही लोकसभा के सांसद बनते रहे हैं, लेकिन 2019 में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर वह भाजपा के केपी यादव से हार गए थे। अब फिर से वह लोकसभा चुनाव में उतर सकते हैं। बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा ने यह दांव आजमाया था। तब उसने राज्यसभा के सदस्य रहे रविशंकर प्रसाद, स्मृति इरानी और हरदीप सिंह पुरी को चुनाव में उतारा था। स्मृति इरानी ने तो अमेठी से जीत हासिल कर भाजपा को बड़ी सफलता दिलाई और राहुल गांधी को अपना ही गढ़ छोड़ना पड़ गया।

भाजपा के मैनेजरों में शामिल धर्मेंद्र प्रधान ने भी इस बार लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। भाजपा पिछली बार से ही ओडिशा में पैठ बनाने की तैयारी कर रही है, लेकिन इस बार धर्मेंद्र प्रधान जैसे चेहरे को उतारने की तैयारी है। दरअसल भाजपा को लगता है कि ओडिशा, तमिलनाडु जैसे राज्य जो उसके लिए लोकसभा में ड्राइजोन सरीखे रहे हैं, उनमें बड़े चेहरों को उतारने से कुछ सफलता मिल सकती है। धर्मेंद्र प्रधान तो 2009 में ओडिशा की देवघर सीट से जीत भी हासिल कर चुके हैं। ऐसे में उनका पुरानी चुनावी अनुभव भी है।

भारत की 20 वर्षों की मेहनत हुई सफल, चीन सीमा पर पूरी हुई हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले 20 वर्षों से चीन सीमा के पास भारत द्वारा बनाई जा रही सुबनसिरी लोअर हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना का काम पूरा हो गया है। ऊर्जा परिवर्तन में भारत का यह बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकारी कंपनी नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड जुलाई से इसकी पहली यूनिट का परीक्षण शुरू करेगी और इस वर्ष दिसंबर से इसे ग्रिड से जोड़ना शुरू किया जाएगा। एनएचपीसी के वित्त निदेशक राजेंद्र प्रसाद गोयल ने मीडिया को बताया कि पहली इकाई इस साल के अंत तक चालू हो जाएगी। इस बीच दिसंबर 2024 तक सभी आठ इकाइयां चालू हो जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि 2-गीगावाट परियोजना 2003 में शुरू हुई थी, लेकिन विरोध और मुकदमों के कारण इसमें देरी हुई। भारत में विद्युत ग्रिड को संतुलित करने के लिए जलविद्युत महत्वपूर्ण है, क्योंकि सौर और पवन ऊर्जा का रुक-रुक कर उत्पादन बढ़ता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार परियोजना की कीमत मूल अनुमान से तीन गुना बढ़कर 212.5 अरब रुपये हो गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने आठ साल से अधिक के निलंबन के बाद 2019 में निर्माण कार्य को फिर से शुरू करने की अनुमति दी थी। गोयल ने कहा कि हमें जलविद्युत परियोजना का निर्माण शुरू करने से पहले 40 से ज्यादा विभिन्न विभागों व मंत्रालयों से मंजूरी लेनी होती है, इसके हर स्तर की जांच होती है, जिसकी वजह से यह परियोजनाएं लंबे समय तक अटकी रहती हैं।

उल्लेखनीय है कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच फैली इस परियोजना से देश को कुल 2,000 मेगावाट बिजली मिलेगी। इसकी कुल 8 इकाइयां हैं, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 250 मेगावाट है। एनएचपीसी के वित्त निदेशक राजेंद्र प्रसाद गोयल ने कहा कि योजना की सभी आठ यूनिट्स को दिसंबर 2024 तक संचालन योग्य बना दिया जाएगा।

मणिपुर में हिंसा में 9 लोग मारे गए, 10 घायल, अब तक 115 हिंसा के हुए शिकार

-कूकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से छिड़ी हिंसा

इम्फाल (एजेंसी)। अभी भी मणिपुर में हिंसा की आग बुझी नहीं है, रह-रहकर भड़क रही रही है। करीब डेढ़ महीना पहले कूकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा शुरू हुई थी और अब भी हिंसा के हालात संभल नहीं रहे। इस बीच मंगलवार की रात को इम्फाल पूर्व जिले में फिर से हिंसा भड़क गई, इसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 10 घायल हो गए हैं। मणिपुर की हिंसा में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 115 हो गई है। बअब तक थमी नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार की रात को पूर्वी इम्फाल जिले के अगिजंग गांव में हिंसा भड़क गई। बड़ी संख्या में सशस्त्र उपद्रवियों ने एक कूकी गांव में रात को 10 से 10:30 बजे के बीच हमला कर दिया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो उपद्रवियों के साथ फायरिंग भी हुई। जांच में पता चला है कि इसमें 9 लोगों की मौत हो गई। कहा जा रहा है कि मारे गए सभी लोग मैतेई समुदाय के ही हैं। हालांकि इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकती। पूर्वी इम्फाल जिले के एसपी के. शिवाकांत सिंह ने कहा कि गांव में रात को 10 बजे के करीब फायरिंग शुरू हो गई। इसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 10 जख्मी हुए हैं। इन सभी लोगों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है और एक की हालत गंभीर है। एसपी ने बताया कि इलाके की सुरक्षा में फिलहाल असम राइफल्स तैनात है। किसी भी हिंसा को टालने के लिए फोर्स की मौजूदगी बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि हिंसा के बाद फिलहाल स्थिति कंट्रोल में है। इस बीच कूकी और मैतेई समुदाय के लोगों की ओर से अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं।

6-7 साल तक चुनाव नहीं हुए, फिर भी एक भी पार्टी नहीं उठा रही सवाल,

गुलाम नबी आजाद बोले- जब उनकी बात आती है तो वे एकता की बात करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में राजनीति एकता की कवायद जोर-शोर से उठ रही है और मोदी सरकार के विरूद्ध महागठबंधन बनाने की कोशिशें भी आकर ले रही है। लेकिन जम्मू कश्मीर के नेता इससे खासा इत्तेफाक रखते नहीं नजर आ रहे हैं। पहले तो पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने और फिर अब पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने भी इस पहल को ज्यादा तव्ज्यों नहीं दिया है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आज़ाद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में छह साल से चुनाव नहीं हो रहे हैं और एक भी पार्टी इस पर सवाल नहीं उठा रही है। इसलिए, उमर अब्दुल्ला जो कह रहे हैं वह सही है। मुझे दूसरी राजनीतिक पार्टियों से भी यही शिकायत है। जब उनकी बात आती है तो वे एकता की बात करते हैं और जब यहां 6-7 साल तक चुनाव नहीं होते हैं तो एक भी पार्टी आवाज नहीं उठाती है।

नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने

कहा कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव कराने से डर रही है क्योंकि जम्मू कश्मीर के लोग उनसे खुश नहीं है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर लोग खुश और संतुष्ट होते तो क्या आपको नहीं लगता कि उन्होंने (केंद्र) यहां चुनावों की घोषणा की होती। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराये जाने में देरी पर प्रश्नों का जवाब देते-देते वह थक चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि भाजपा तैयार नहीं है और यदि वह तैयारी होती तो चुनाव करा लिये गये होते।

रामलला की श्रेष्ठतम मूर्ति के चयन में शास्त्रोक्त परंपरा व निर्देशों का पालन सर्वोपरि होगा

रामजन्मभूमि पर स्थापना के लिए निर्मित हो रही हैं तीन मूर्तियां

अयोध्या (एजेंसी)। रामजन्मभूमि पर गृह में स्थापना के लिए तीन मूर्तियां निर्मित हो रही हैं। रामलला की श्रेष्ठतम मूर्ति के चयन में शास्त्रोक्त परंपरा व निर्देशों का पालन सर्वोपरि होगा। शास्त्रों में रामलला को नीलवर्णी बताया गया है, किंतु रामजन्मभूमि पर उनकी स्थापना के लिए जो तीन मूर्तियां निर्मित हो रही हैं, उनमें से एक श्वेत संगमरमर की है। रामसेवकपुरम में राजस्थान के मकराना संगमरमर क्षेत्र में प्रख्यात मूर्तिकार सत्यनारायण पांडेय रामलला की मूर्ति बनाने में जुटे हैं। यद्यपि रामलला की दो अन्य मूर्तियां भी निर्मित हो रही हैं। यह दोनों मूर्तियां कर्नाटक की तुंगभद्रा नदी के किनारे की पहाड़ी से लाई गईं शिलाओं से निर्मित की जा रही हैं। यह शास्त्रों में वर्णित श्रीराम के श्याम अथवा कृष्ण वर्ण के अनुरूप हैं। रामजन्मभूमि पर निर्माणाधीन मंदिर के गर्भगृह में स्थापित होने के लिए कर्नाटक की दो कृष्णवर्णी शिला के साथ संगरमरमर की श्वेत शिला से निर्माणाधीन रामलला की मूर्ति के लिए समान संभावनाएं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विशेषज्ञों की एक शीर्ष समिति तीनों मूर्तियों का मूल्यांकन करेगी और जो मूर्ति सर्वाधिक जीवंत, जन-जन के हृदय में बसी श्रीराम की छवि और सुंदरता की कसौटी पर खरी उतरेगी, उसका चयन गर्भगृह में स्थापना के लिए किया जाएगा। रामलला की श्वेत-श्याम छवि से जुड़े सवाल पर रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल ने कहा कि प्रारंभिक चरण से लेकर मूर्ति चयन के अंतिम चरण तक शास्त्रोक्त परंपरा और निर्देशों का पालन सर्वोपरि होगा और इस दृष्टि से जो उचित होगा, वह किया जाएगा।

गर्भगृह में स्थापित किए जाने के लिए भले ही रामलला की एक मूर्ति ही चयनित की जानी है, किंतु इस प्रक्रिया में शामिल बाकी मूर्तियों एवं शिलाओं से पूरा न्याय किया जाएगा। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल के अनुसार राम मंदिर के साथ सात उप मंदिरों का भी निर्माण प्रस्तावित है।

ऐसे में रामलला की मूर्ति के लिए नेपाल की गंडकी नदी से लाई गई शालिग्रामी शिला सहित उड़ीसा, महाराष्ट्र तक से आई शिलाओं का उपयोग इन उप मंदिरों में स्थापित की जाने वाली मूर्तियों के निर्माण में किया जाएगा। विहिप प्रवक्ता शरद शर्मा का कहना है कि किसी को इन शिलाओं के आदर-अनुराग के प्रति संदेह नहीं होना चाहिए। रामलला की अन्य मूर्तियां अन्य जगह स्थापित की जाएगी।

रामलला की मूर्ति पांच वर्षीय बालक की मुख-मुद्रा के अनुरूप आकार ले रही है। इसमें बाल सुलभ कोमलता संयोजित की जाएगी। निर्दोष अनासक्ति होगी, तो सत्य के सापेक्ष संकल्प की दृढ़ता का भी समायोजन होगा। मुख पर स्मित हास्य होगा, तो हाथ में धनुष भी होगा। स्थानक यानी खड़ी मुद्रा में निर्मित की जा रही मूर्ति चार फीट चार इंच ऊंची है और आधारभूमि (पैडस्टल) की ऊंचाई को मिलाकर रामलला की ऊंचाई 8 फीट 7 इंच की होगी।

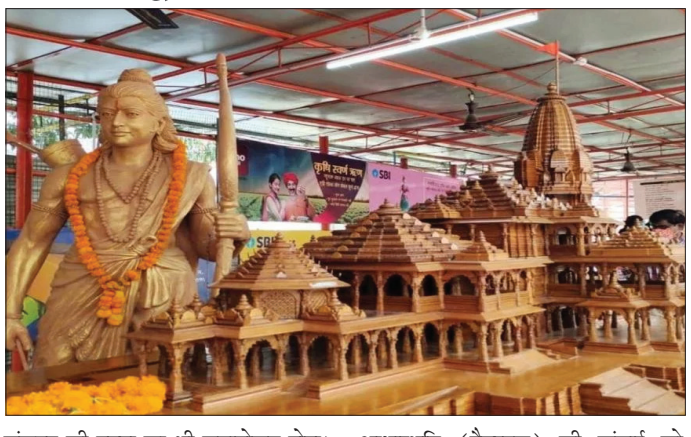

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं

हमें लिखे या बताएँ

और समस्याएं का हल

संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार

संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों

और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों

की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com